● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद ने अमित पूर्वे को पार्टी से छह साल के लिए किया निष्कासित

04 बिगनी मलाहिन: लाशों की ढेर पर कोई घड़ियाली आंशू बहा रहा है...

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 22 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 22

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Kuraniya May, Purnahia, Ghorasahan, East Champaran - 9006421583

एसबीआई से मिली सारी जानकारी चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर की अपलोड

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बांड पर एसबीआई से प्राप्त पूरी जानकारी को गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। एसबीआई ने इलेक्टोरल बांड से जुड़ी विस्तृत जानकारी को आज ही आयोग के साथ साझा किया।

चुनाव आयोग की ओर से अपलोड की गई दो फाइलों में इलेक्ट्रोरल बांड और उसे पार्टी तथा दानकर्ता के बीच जोड़ने वाले कोड की जानकारी है। पहली फाइन में राजनीतिक दल और दूसरी फाइल में दानकर्ता की जानकारी है।

आयोग के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के 15 फरवरी, 11 मार्च और 18 मार्च के आदेश (2017 के डब्ल्यूपीसी नंबर 880 के मामले में) में निहित निर्देशों के अनुपालन में भारतीय स्टेट बैंक ने इलेक्टोरल बांड संबंधित डेटा प्रदान किया है।

केजरीवाल गिरफ्तार

इस्तीफा नहीं देंगे मुख्यमंत्री: आम आदमी पार्टी

बीएनएम@नई दिल्ली

कथित शराब घोटाले में सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद से अब मुख्यमंत्री केजरीवाल की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। केजरीवाल की ईडी की गिरफ्तारी से बचने को लेकर दायर याचिका गुरुवार को हाईकोर्ट में खारिज हो गई। इसके कुछ देर में ईडी की टीम केजरीवाल के आवास पर 10वां समन देने पहुंची है।

अधिकारियों ने इस दौरान केजरीवाल के घर की तालाशी ली। इससे पहले इस मामले में ईडी अरविंद केजरीवाल को अब तक 9 समन भेज चुकी थी, लेकिन वह एक बार भी ईडी के सामने पेश नहीं हुए। इस बीच केजरीवाल की लीगल टीम सुप्रीम कोर्ट पहुंच रही है जहां हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी जाएगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा था कि सीएम केजरीवाल को गिरफ्तारी से राहत नहीं है।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने कहा कि उन्हें शुक्रवार (22 मार्च) को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी उनके कस्टडी की मांग करेगी ताकि आगे की पूछताछ कर सके। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आतिशी ने कहा कि दो साल में एक रुपये की रिकवरी ईडी नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि सीएम अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। आतिशी ने कहा, 'हमें सूचना मिली है कि ED ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन हमने हमेशा कहा है की अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चलाएंगे। वह दिल्ली के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। हम इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केस फाइल करेंगे हमारे वकील सुप्रीम कोर्ट पहुंच रहे हैं।

हमें सूचना मिली है कि ED ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन हमने हमेशा कहा है की अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चलाएंगे। वह दिल्ली के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

–आतिशी, आप नेता

धार की ऐतिहासिक भोजशाला का एएसआई सर्वे आज से

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय पर स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में ज्ञानवापी की तर्ज भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा सर्वे किया जाएगा। यह सर्वे शुक्रवार, 22 मार्च को शुरू होगा। इसके लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने पत्र जारी कर जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी है।

यह पत्र इंदौर कमिश्नर सहित कलेक्टर धार व एसपी धार को जारी किया गया है। इसमें सर्वे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए बंदोबस्त करने के लिए कहा गया है। इस पत्र में अधिकारियों ने सर्वे शुरू करने की बात कही है। पत्र मिलने के बाद गुरुवार को धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह प्रशासनिक टीम के साथ भोजशाला पहुंचे। उन्होंने पूरे परिसर का निरीक्षण किया। कलेक्टर मिश्रा ने भोजशाला पुलिस चौकी पर अतिरिक्त फोर्स तैनात करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि मां सरस्वती मंदिर भोजशाला के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस द्वारा मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में आवेदन दिया था। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की तरफ से एडवोकेट हरिशंकर जैन और एडवोकेट विष्णुशंकर जैन ने पैरवी करते हुए कोर्ट को कहा कि पूर्व में भी जो सर्वेक्षण हुए हैं, वे साफ-साफ बता रहे हैं कि भोजशाला वाग्देवी का मंदिर है। इससे अतिरिक्त कुछ नहीं। हिंदुओं का यहां पूजा करने का पूरा अधिकार है। हिंदुओं को पूजा का अधिकार देने से भोजशाला के धार्मिक चरित्र पर कोई बदलाव नहीं होगा।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से एडवोकेट हिमांशु जोशी ने कोर्ट को बताया कि वर्ष 1902-03 में पुरातत्व विभाग भोजशाला का सर्वे कर चुका है। इसकी रिपोर्ट भी कोर्ट में प्रस्तुत है। रिपोर्ट के साथ फोटोग्राफ भी संलग्न हैं। इनमें भगवान विष्णु और कमल स्पष्ट नजर आ रहे हैं। नए सर्वे की कोई आवश्यकता ही नहीं है। सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर ही 2003 में आदेश जारी हुआ था। भोजशाला विवाद सदियों पुराना है। हिंदुओं का कहना है कि यह सरस्वती देवी का मंदिर है। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बनाई थी। भोजशाला में आज भी देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक लिखे हुए हैं। अंग्रेज भोजशाला में लगी वाग्देवी की मूर्ति को लंदन ले गए थे। याचिका में कहा गया कि भोजशाला हिंदुओं के लिए उपासना स्थली है।

उच्च न्यायालय ने संस्था हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गत 11 मार्च को भोजशाला का वैज्ञानिक सर्वे करने के आदेश जारी किए थे। इसमें पांच सदस्यीय दल भोजशाला का सर्वे करेगा। अलग-अलग बिंदुओं पर यह सर्वे होना है। इसके तहत मुख्य रूप से यह बात सामने आ सकती है कि यहां पर किस तरह के प्रतीक चिन्ह है और किस तरह की यहां की वास्तु शैली है। साथ ही यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि यह किस तरह की धरोहर है।

कोर्ट के आदेश अनुसार, एएसआई महानिदेशक की निगरानी में पांच सदस्यीय टीम भोजशाला का सर्वे करेगी। इसके साथ ही ये कमेटी अगले छह सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। साथ ही कोर्ट ने दोनों पक्ष यानी हिंदू और मुस्लिम पक्ष के दो-दो प्रतिनिधियों को सर्वे के दौरान वहां मौजूद रहने की अनुमति है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

कांग्रेस कानून से ऊपर नहीं: सुशील मोदी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कांग्रेस के बैंक खातों पर आय कर कानून के तहत रोक लगी है और कानून का पालन कर पार्टी रोक हटवा भी सकती है, लेकिन राहुल गांधी इसे मुद्दा बना कर पीड़ित कार्ड खेलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी देश के कानून से ऊपर होने की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, इसलिए कांग्रेस का खाता सीज होने को ₹लोकतंत्र सीज₹ होना बता कर छाती पीट रहे हैं। देश पर इमरजेंसी थोपने वाली कांग्रेस लोकतंत्र नहीं है। मोदी ने

सहानुभूति वोट के लिए खाता सीज पर छाती पीट रहे राहुल

कहा कि कांग्रेस सहित सभी परिवारवादी दलों को नकद चंदा लेने में यह सुविधा थी कि ने वे कितना पार्टी फंड में दिखायें, कितना अपनी जेब में डालें। एनडीए सरकार ने चुनावी बांड योजना लाकर चंदा घोटाले पर रोक लगाने की कोशिश की इसलिए इसका विरोध हो रहा है।

सुशील मोदी ने कहा कि चुनावी बांड से कांग्रेस को 1600 करोड़ और राजद को 72.50 करोड़ मिले , फिर भी यदि यह गलत है, हफ्ता-वसूली है, तो इन दलों ने इसे क्यों स्वीकार किया? चुनावी बांड योजना लागू होने से पहले भाजपा को 81 प्रतिशत से अधिक चंदा नकद मिलता था, जबकि बांड योजना के कारण 2017 और 2018 में नकद चंदा घट कर 17 फीसद पर आ गया। 2023 में मात्र 3 फीसद फंड नकद मिला और 97 फीसद चुनावी बांड के रूप में पार्टी के खाते में मिले।

उन्होंने कहा कि चुनावी बांड से भाजपा को नुकसान ही हुआ, लेकिन ₹पार्टी से ऊपर देश₹ की नीति के प्रति संकल्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव में कालेधन का उपयोग रोकने के लिए चुनावी बांड योजना लागू की। यह पारदर्शिता कुछ दलों को नंगा कर रही है, इसलिए विरोध हो रहा है। जब सुप्रीम कोर्ट चुनावी बांड की निगरानी कर रहा है, तब यह योजना अग्निपरीक्षा से गुजरने के बाद और बेहतर रूप में लागू होगी। इस पर राजनीतिक बयानबाजी करने से कुछ हासिल नहीं होगा।

बिहार के रहने वाले एक ही परिवार के पांच लोगों की जयपुर में मौत पर नीतीश ने जताया दुःख

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजस्थान राज्य के जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के जैसल्या गांव में आग लगने की घटना में बिहार के एक ही परिवार के 5 लोगों की हुयी मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। सीएम ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

केके पाठक के विभाग ने की शिक्षकों की होली बदरंग, 6 दिन की ट्रेनिंग अनिवार्य

पटना। राज्य शिक्षा एवं शोध प्रशिक्षण परिषद की ओर से एक पत्र जारी किया गया है। इस पत्र के जारी होने के बाद बिहार के लाखों शिक्षकों में निराशा की लहर दौड़ गई है। इस पत्र के जरिए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी और सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना बिहार को आदेश जारी किया गया है। आदेश को बिहार के स्कूलों के सभी प्राचार्य, सीटीई, डायट और पीटीईसी, बाइट बिहार को आदेश दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि दिनांक 25 मार्च, 2024 से 30 मार्च, 2024 तक आयोजित 8 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 5) में कार्यरत शिक्षकों को संबंधित जिला से निर्धारित प्रशिक्षण संस्थानों में प्रतिनियुक्त होना होगा। उसके अलावा पत्र में 79 प्रशिक्षण केंद्रों का नाम दिया गया है। साथ ही ये भी जिक्र किया गया है कि उन्हें किस प्रकार के ड्रेस के साथ प्रशिक्षण के लिए आना है।

पत्र में आगे कहा गया है कि उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि दिनांक 25 मार्च, 2024 से 30 मार्च, 2024 तक होने वाले 06 दिवसीय आवासीय FLN प्रशिक्षण हेतु कक्षा 1-5 तक के वैसे शिक्षकों को प्रतिनियुक्त करना सुनिश्चित करें जिन्होंने पूर्व में कक्षा 1-2 एवं कक्षा 3-5 तक प्रशिक्षण नहीं लिया हो। उक्त कोटि के शिक्षकों के अनुपलब्धता की स्थिति में 03 जुलाई, 2023 से बुनियाद 1 के प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों को भी भेजा जा सकता है। प्रशिक्षु प्रशिक्षण की पूर्व संध्या दिनांक 24 मार्च 2024 को निर्धारित किए गए प्रशिक्षण संस्थानों में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगे। प्रशिक्षण के लिए रजिस्ट्रेशन दिनांक 24 मार्च, 2024 को अपराह्न 05:00 बजे शुरू हो जाएगा। दिनांक 25 मार्च 2024 प्रातः 05:30 बजे से 06:30 बजे तक योग / P.T होगा। तदुपरांत प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्वाहन 08:30 बजे से अपराह्न 07:30 बजे तक संचालित होगा।

बेतिया में 8वीं की छात्रा से हैवानियत, परीक्षा देकर लौट रही लड़की के साथ पांच मनचलों ने किया गैंगरेप

बीएनएम@बेतिया

गुरुवार कैबपरीक्षा देकर घर लौट रही आठवीं की छात्रा के साथ गांव के ही पांच मनचलों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया । छात्रा को बेहोशी की हालत में कुमारबाग थाना क्षेत्र से बरामद किया गया।

बताया जा रहा है की पीड़ित छात्रा गुरुवार को परीक्षा देने के बाद स्कूल से घर लौट रही थी। बीच रास्ते में सुनसान जगह पर घात लगाए पांच मनचलों ने उसका रास्ता रोक दिया और उसे जबरन उठाकर पास स्थित बांसवाड़ी में ले गए। मनचलों ने लड़की के साथ बारी-बारी से रेप किया। इसी दौरान उधर से गुजर रही स्कूल की अन्य लड़कियों की नजर उनके ऊपर पड़ी।

छात्राओं ने तुरंत घटना की जानकारी पीड़िता के परिजनों को दी। परिजन भागे-भागे मौके पर पहुंचे तो मनचलों ने उनके ऊपर चाकू से हमला बोल दिया, जिसमें वे बाल बाल से बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने खून से लथपथ छात्रा को बेहोशी की हालत में जीएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है।

एसपी डी अमरकेश ने कहा है कि छात्रा के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की गई है हालांकि पीड़िता के परिजनों ने बताया है कि उनकी लड़की के साथ गलत किया गया है। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और बाकी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

बेगूसराय में एचडीएफसी बैंक से 20 लाख रुपये की लूट

पटना/बेगूसराय। बिहार में बेगूसराय शहर के हरहर महादेव चौक पर स्थित एचडीएफसी बैंक से बदमाशों ने गुरुवार को 20 लाख रुपये लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनीष सहित पूरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि 20 लाख की लूट की बात सामने आई है। पांच अपराधी बैंक में घुसे थे और लूटपाट कर सभी भाग निकले। चार बैंक कर्मियों के साथ मारपीट की बात भी सामने आ रही है। अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। दिनदहाड़े लूट की इस वारदात के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है।

बिहार | JDU नेता राजीव रंजन ने इंडी गठबंधन पर बोला हमला

राजद के रहमोकरम पर है कांग्रेस

पटना। इंडिया' गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर राजद-कांग्रेस में तनातनी होने की खबरें हैं। इसे ढ़कोसला बताते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज गुरुवार को कहा है कि बिहार का बच्चा-बच्चा जानता है, राज्य में कांग्रेस पार्टी का वजूद राजद के रहमोकरम पर टिका हुआ है। ऐसे में कांग्रेस कुछ लोकसभा सीटों के लिए राजद को आंखें दिखाएगी, ऐसा संभव ही नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में हर चुनाव के दौरान राजद, कांग्रेस को उतनी ही सीटें देता है, जिनमें लालू परिवार के वफ़ादार कांग्रेसी एडजस्ट हो सकें। बाद में यही लोग पूरी प्लानिंग से ऐसी खबरें फैलाते हैं, जिससे टिकट न पाने वाले कांग्रेसी हंगामा खड़ा न करें। राजद के नाम का बहाना सुनकर बाकी बचे नेता मन मसोसकर रह जाते हैं.

जदयू प्रवक्ता ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस के नेताओं की राजद के सामने एक नहीं चलती। लोग बताते हैं कि कांग्रेस की ऐसी गत बन चुकी है कि आज उसके नेता अपनी पैरवी के लिए अपनी पार्टी के बड़े नेताओं के पास जाने से पहले राजद सुप्रीमो के दरबार में हाजिरी लगाते हैं। लोगों की माने तो बिहार में कांग्रेस के सभी महत्वपूर्ण पदों पर राजद से पूछ कर ही नेताओं की नियुक्ति होती है। दूसरी तरफ राजद सिर्फ केन्द्रीय राजनीति में अपनी महत्वकांक्षा के कारण कांग्रेस को यहां झेल रही है, लेकिन साथ ही साथ सीट बंटवारे जैसे मुद्दों पर गाहे-बगाहे कांग्रेस को उसकी औकात लगातार बताती भी रहती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस दुर्दशा के लिए केवल इनकी पार्टी में व्याप्त वंशवाद जिम्मेदार है। हर राज्य में कांग्रेस पार्टी अपने से कहीं छोटे राजनीतिक दलों के सामने नतमस्तक हो चुकी है। इनके पास ऐसे नेता बचे ही नहीं है, जिन्हें जनता की नब्ज पता हो। ऊपर से राहुल के नेतृत्व ने रही सही कसर भी पूरी कर दी है।

लोकसभा चुनाव: अबकी बार बिहार में बाहुबली करेंगे 'खेला'?

पटना। लोकसभा चुनाव आते ही बिहार में बाहुबलियों की बहार आ गई है। हाल के दिनों में देखा गया है कि कई दबंग, बाहुबली और जेल में सालों की सजा काट चुके नेता और उनके परिजन अब बिहार में सियासी दलों की पसंद बन रहे हैं। वैसे, बिहार के लिए यह कोई नई बात नहीं है। यहां दबंग और बाहुबलियों की राजनीति में पूछ होती रही है। एक बार फिर उनकी पूछ बढ़ गई है। बाहुबली के रूप में चर्चित पूर्व सांसद की पत्नी लवली आनंद ने अपने बेटे के साथ हाल ही में राजद को छोड़कर जदयू की सदस्यता ग्रहण की थी।

लवली आनंद के शिवहर से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा है। बिहार में आनंद मोहन के नाम कई अपराधिक मामले दर्ज हुए थे। आनंद मोहन हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे, लेकिन बिहार सरकार के कानून में परिवर्तन करने के बाद वे जेल से रिहा हो गए।

वहीं बुधवार को दिल्ली में अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करने वाले पप्पू यादव भी इस चुनाव में कांग्रेस की जरूरत बन गए हैं।

पप्पू यादव भले पिछले कई वर्षों से राजनीति में सक्रिय रहे हों, लेकिन उनकी पुरानी छवि बाहुबली की रही है। उनपर हत्या, रंगदारी, अपहरण सहित कई मामले दर्ज हुए थे। इधर 17 साल जेल की सजा काटकर बाहर आए अशोक यादव के भी लोकसभा चुनाव में चुनावी मैदान में उतरने की बात सामने आई है। उन्होंने दो दिन पहले ही शादी की है। अब चर्चा है कि राजद उनकी पत्नी को मुंगेर से चुनावी मैदान में उतार सकती है। शादी करने के बाद अशोक यादव अपनी पत्नी के साथ लालू प्रसाद के पास आशीर्वाद लेने भी पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि इसके अलावा भी कई बाहुबली या उनका परिवार इस चुनाव में चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

पत्रकार को पितृशोक

बीएनएम@केसरिया। नगर पंचायत वार्ड सात निवासी 82 वर्षीय रामरीत प्रसाद का निधन हो गया है। उन्होंने बुधवार की देर रात अपने आवास पर अंतिम सांस ली। गुरुवार को सतरघाट स्थित गंडक नदी तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे पत्रकार राकेश कुमार रत्न के पिता थे। विगत दो दिन पहले वे कोमा में चले गये थे। स्व प्रसाद अपने पीछे दो पुत्र, पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनके निधन पर विधायक शालिनी मिश्रा, पूर्व विधायक डॉ राजेश कुमार, पूर्व विधायक सचिन्द्र सिंह, पूर्व नपं मुख्य पार्षद रजनीश कुमार उर्फ रिंकू पाठक, पूर्व नपं उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, श्यामबाबू प्रसाद, सुभाष गुप्ता, मोख्तार गुप्ता, पूर्व प्रमुख सुमित्रा कुमारी यादव, डॉ वी के राय, पूर्व मुखिया राजकुमार प्रसाद, मुखिया हरिशंकर पासवान, पत्रकार शशिकांत सिंह, विकास कुमार सिंह, मधुरेश प्रियदर्शी, रंजन कुमार, रामकुमार गिरी, मोगल खान, विशुराज सिंह, दीनानाथ पाठक, मंजीत कुमार, अवनीश कुमार पाठक, शुभम राज सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है।

पेंशन संबंधी शिकायत व सुझाव के लिए बैठक आज

मोतिहारी। 71 वीं बटालियन एस. एस. बी. कैम्प पिपराकोठी के द्वारा सशस्त्र सीमा बल के सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबंधी शिकायत व सुझाव के लिए शुक्रवार को समय 10 बजे पिपराकोठी कैम्प परिसर में एक बैठक बुलाई गई है। उक्त बैठक में एस.एस.बी. के सभी सेवा निवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रित, पेंशन संबंधित शिकायतों या अन्य किसी भी प्रकार के सुझाव/सलाह को रख सकते है।

आदर्श आचार संहिता का अक्षरश: अनुपालन जरूरी

बेतिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन को स्वच्छ, निष्पक्ष सम्पन्न कराने हेतु आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः अनुपालन कराना सुनिश्चित किया जाय। आदर्श आचार संहिता-सह-विधि व्यवस्था कोषांग एमसीसी (मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट) का प्रत्येक दिन सघन मॉनिटरिंग कराएं। इसके साथ ही निरीक्षण अथवा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अगर कोई अधिकारी मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन पाते हैं तो इसकी त्वरित सूचना संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को देंगे। संबंधित कोषांग आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध नियमसंगत कार्रवाई करेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारी को निर्देशित कर रहे थे।

समीक्षा के क्रम में कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारी द्वारा कोषांगों के दायित्व एवं अबतक की गई तैयारी की जानकारी से जिला निर्वाचन पदाधिकारी को अवगत कराया गया। 05 अप्रैल से कार्मिकों को प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिलाने का कार्य प्रारंभ हो जायेगा। प्रशिक्षण हेतु राज इंटर कॉलेज, विपिन हाईस्कूल एवं आरएलएसवाई कॉलेज को चिन्हित किया गया है। नोडल पदाधिकारी परिवहन कोषांग द्वारा बताया गया कि वाहनों का आकलन कर लिया गया है। पर्याप्त संख्या में वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जायेगी। नोडल पदाधिकारी ईवीएम कोषांग द्वारा बताया गया कि ईवीएम का प्रथम रेंडेमाईजेशन की तैयारी कर ली गयी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा कार्मिक कोषांग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गयी। इस दौरान सभी कार्मिको का डाटा संग्रहण करने की अद्यतन स्थिति, सभी कार्मिकों का संबंधित सॉफ्टवेयर में डाटा इन्ट्री की अद्यतन स्थिति, मतदान कर्मियों की आवश्यकता एवं उपलब्धता का आकलन, मतदान कर्मियों का प्रथम/द्वितीय/तृतीय नियुक्ति पत्र निर्गत करने सहित अन्य बिन्दुओं की समीक्षा हुई।

विद्यालय निरीक्षण में डाटा ऑपरेटर ने एचएम से मांगा होली का खर्च, नहीं देने पर वेतन बंद की धमकी

मोतिहारी/हरसिद्धि। हरसिद्धि प्रखंड के जागापाकड़ पंचायत स्थित उर्दू विद्यालय, रामनगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक से होली खर्च का मांगने का मामला तूल पकड़ने लगा है। इसको लेकर प्रभारी एचएम अतीन्द्र कुमार ने बीईओ को आवेदन देकर जांच की मांग की है। उन्होंने आवेदन पत्र में आरोप लगाया है कि पीएम पोषण योजना की डाटा एंट्री ऑपरेटर पुष्पांजलि कुमारी 19 मार्च को दिन के 11 बजे विद्यालय में आईं।

उन्होंने निरीक्षण के बाद सारी जानकारी ली। और होली के खर्च के रूप में विद्यालय स्तर से राशि की मांग की। जब उन्होंने रिश्वत देने से इंकार किया तो डाटा ऑपरेटर धमकी देने लगीं। वह बोलीं कि एक बार जांच प्रतिवेदन में विद्यालय की कमी की एंट्री पोर्टल पर करा देंगे। फिर मोतिहारी से पटना के चक्कर लगाते रहिएगा। तब जाकर समझ में आएगा। उनसे कहा गया कि जिस तरह से जांच प्रतिवेदन देकर सेवराहां मध्य विद्यालय के सभी शिक्षकों का वेतन छह महीने लिए बंद करा दिया था।

वहीं हाल आपका भी होगा। बता दें कि प्रखंड क्षेत्र के कई शिक्षकों का कहना है कि डाटा ऑपरेट श्रीमती कुमारी का कई विद्यालयों में विवाद हो चुका है। वह अपना परिचय डीईओ, एमडीएम के रूप में देते हुए बजाप्ता पंजिका पर हस्ताक्षर भी करती हैं। इस बावत शिक्षक नेता मनोज सिंह, बलवंत सिंह व जौवाद आलम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि कोई भी एजेंसी या एनजीओं कर्मी विद्यालय की जांच या निरीक्षण नहीं कर सकता। यह न्यायालय के आदेश की अवमानना है।

जबकि बीईओ आशा कुमारी ने बताया कि डाटा ऑपरेटर या अन्य कर्मी विद्यालय का अनुश्रवण करते हैं। विद्यालय की विधि व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करते हैं। उन्हें निरीक्षण या जांच का अधिकार नहीं है। आवेदन के आधार पर जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई के लिए विभाग को लिखा जाएगा।

प्रेमचन्द्र यादव बने प्रधान महासचिव, बधाइयों का तांता

रामगढ़वा। प्रखंड के पूर्व प्रमुख पति,पूर्व मुखिया सह सुगौली विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी प्रेमचन्द्र यादव को राजद संगठन मधुबन जिला के अध्यक्ष नूर आलम खान ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के निर्देश पर संगठन जिला का प्रधान महासचिव मनोनीत किया है ।इनके मनोनयन पर रक्सौल, नरकटिया व सुगौली विधानसभा क्षेत्र के राजद नेताओ, कार्यकर्ताओ ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है ,साथ ही कार्यकर्ताओ ने कहा कि इनके मनोनयन से राजद मजबूत होगा ।इनके मनोनयन पर बधाई देने वालो में पूर्व मंत्री सह विधायक शमीम अहमद, विधायक निरंजन राय, पूर्व विधायक फैसल रहमान, रामबाबू यादव, सुरेश यादव, अरविंद यादव, मोहम्मद मूसा, रियाजुल हकमुन्ना, राजू सिंह, हृदयनन्द यादव,मोहम्मद जाकिर, विनोद यादव आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

अवकाश के बावजूद खुले रहेंगे विद्युत कार्यालय

रक्सौल। मार्च माह में राजस्व संग्रहण की अनिवार्यता एवं उपभोक्ताओं की सुविधा के मद्देनजर 22 व 29 मार्च को निर्धारित राजकीय अवकाश के बावजूद विद्युत कार्यालय खुले रहेंगे। इस आशय की पुष्टि करते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में उपभोक्ताओं को विपत्र भुगतान, बिजली बिल सुधार सहित सभी तरह के कार्यों के निष्पादन के दृष्टिकोण से उक्त निर्णय से संबंधित पत्र विभाग द्वारा जारी किया गया है। वहीं इसकी सूचना एवं विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार करके आम उपभोक्ताओं को जागरूक भी किया जा रहा है।

बतादें कि 22 मार्च को बिहार दिवस एवं 29 मार्च को गुड फ्राइडे है। चालू वित्तीय वर्ष के माहांत में राजस्व लक्ष्य को पूरा करने के लिए विद्युत विभाग ने लगातार गांव गांव में भ्रमण कर अभियान के तौर पर उपभोक्ताओं एवं बड़े बकायेदारों से राशि वसूली के लिए लाइने डिस्कनेक्ट कर राजस्व वसूली में जुटी हुई है।

लाखो के लकड़ी के साथ ट्रेक्टर ट्राली जप्त

रामगढ़वा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच 28 पर सेमहल चौक के समीप छापेमारी कर तस्करी कर ले जा रहे ट्रेक्टर पर लाखों रुपये की लकड़ी को जब्त किया है ।इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सचिदानन्द पांडेय ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को रात्रि पुलिस को सूचना मिली थी कि करीब दस लाख रुपये से अधिक की जंगली लकड़ी तस्करी कर ले जाया जा रहा है ।जिसके बाद सूचना मिलने के उपरांत कार्रवाई की गई ,जहाँ ट्रेक्टर ट्रॉली पर लदे लकड़ी को जब्त किया है ।वही थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त ट्रेक्टर व लकड़ी को लेकर ट्रेक्टर चालक ,ट्रेक्टर मालिक पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

डिस्पैच सेंटर का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

मोतिहारी। लोकसभा निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर हरसिद्धि एवं गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए अरेराज में बनने वाले डिस्पैच सेंटर का डीएम और एसपी के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त पूर्वी चंपारण, अनुमंडल पदाधिकारी एवं डीसीएलआर अरेराज एवं संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित थे। जिलाधिकारी के द्वारा एसडीओ, डीसीएलआर तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी को डिस्पैच सेंटरों को पूर्ण रूपेण तैयार कर लेने का निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि मतदान की तिथि से 10 दिन पहले जिला स्ट्रांग रूम से यहां ईवीएम लाया जाएगा और उसका कमिश्निंग भी यही किया जाएगा। कमिश्निंग के कार्य के समय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधियों को भी यहां बुलाया जाएगा और उनके समक्ष ही सभी कार्य संपादित किए जाएंगे। यहाँ पर सभी जरूरी सुविधा पेयजल, बिजली शौचालय आदि की बेहतर व्यवस्था कराई जाए। डीएम ने कहा कि शीघ्र ही पुनः इसका निरीक्षण कर प्रगति कार्य का जायजा लिया जाएगा।

ट्रक और बाइक की टक्कर से आग, बाइक सवार दो की मौत

रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड के समीप ओभर ब्रिज पर रक्सौल से रामगढ़वा के तरफ आने के क्रम में एक बाइक और ट्रक की टक्कर में दो व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि ट्रक में ही मोटर साइकिल और एक व्यक्ति को घसीटे हुए ले जाने के क्रम में ट्रक में आग लग गयी जिसके बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़ फरार हो गया है। हालांकि मौके पर रामगढ़वा थानाप्रभारी सचिदानंद पांडेय सहित पुलिस बल पहुंचकर दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। वही इसकी पुष्टि करते हुए रामगढ़वा थानाप्रभारी सचिदानंद पांडेय ने बताया कि ट्रक और मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर हुई है जिसमे मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति कॉलेज रोड के पास ओभर ब्रिज पर गिरने से उसकी मौत हो गयी है जबकि दूसरा व्यक्ति मोटर साइकिल सहित ही ट्रक में फस कर लगभग 1 किलोमीटर घसीट कर ले गया जिसके बाद मोटर साइकिल और रोड के घर्षण से ट्रक में आग लग गया । जिसके बाद ट्रक छोड़ चालक फरार हो गया है। जबकि आग पर काबू पा लिया गया है और अब लाश को निकालने की प्रकिया किया जा रहा है। और अभी तक किसी भी मृत व्यक्ति की पहचान नही हो पाई है। जबकि ग्रामीणों ने बताया कि ट्रक और मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर हुई जिसके बाद एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से अलग फेका गया जबकि एक व्यक्ति मोटर साइकिल सहित ट्रक में ही फसा रह गया जिसको ट्रक तेजी से लेकर भाग रहा था और नीचे से आग निकल रहा था इसके बावजूद भी ट्रक नही रुक रहा था और गर्ल स्कूल के आगे जाने के बाद ट्रक में आग लग गया।

कवि जाँच घर
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

बिगनी मलाहिन : लाशों की ढेर पर कोई घड़ियाली आंशू बहा रहा है...

सागर सूरज

लोकसभा चुनाव की विगुल बजते हीं लोकसभा क्षेत्र मे राजनीतिक सरगर्मियाँ अपने उफान पर है, वही भाजपा के इस गढ़ के लिए प्रत्यासी की घोषणा होनी तो अभी बाकी है, लेकिन वर्तमान सांसद पर बिगनी मलाहीन का हमला लगातार जारी है।

टिकट साहब को फिर से मिल जाए या किसी और को मिले दोनों ही सूरत मे छह बार सांसद रहे साहब से बिगनी मलाहीन का सवाल जारी रहेगा, रहे भी क्यों नहीं 30 वर्षों से ऊपर सांसद रहने के बाद और एक बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी आजादी काल से जो मुख्य समस्यायें थी वो आज भी मुंह बाये खड़ी है।

अपराध वही, भ्रष्टाचार वही, एक भी उद्योग नहीं, एक चीनी मिल था वो भी बंद हो गया। हां- अपहरण उद्योग बंद जरूर हो गए, लेकिन उसकी जगह भू- माफियाओं ले लिया। अपहरण उद्योग से जुड़े कई लोग अब नेता हो गए और नेता जी इनसे चन्दा लेते रहे। बिगनी इस लोक सभा क्षेत्र के शोषित पीड़ति लोगों की प्रतीकात्मक चेहरा है, जो समय -समय पर राजनीतिक चेहरों से सवाल करती रहती है। बिगनी बोली इस बार लोग सांसद महोदय से मुक्ति चाहते है, अगर मुक्ति नहीं मिली फिर भी उनसे पूछा जाता रहेगा कि मेन रोड में रहमान क्लिनिक के सामने की गली मे स्थित भाजपा के कार्यालय मे अब आपके परिवार के लोग क्यों रहते है।

जाहिर सी बात है सांसद महोदय का जवाब होगा कि वो कार्यालय उनके निजी जमीन मे था। तो फिर उक्त कार्यालय के निर्माण कार्य मे सांसद निधि का रुपया, कई एमएलसी, विधायकों और शहर के धनाढ्य लोगों का सहयोग क्यों लिया गया। जवाब नहीं है – अब बिगनी बोली वहाँ से कार्यालय गांधी कॉम्प्लेक्स मे शिफ्ट कर दिया गया। इस कॉम्प्लेक्स की कहानी भी अजीब है। गुप्ता जी जब नगर परिषद मे थे तो साहब के पिता के नाम स्थापित एक ट्रस्ट के नाम उक्त कॉम्प्लेक्स को लीज पर लिया गया और भाजपा का पार्टी कार्यालय बनाया गया। इस निर्माण कार्य मे भी करोड़ों रुपये खर्च किये गए। कभी चिकित्सकों की बैठक की गई, तो कभी व्यवसाईयों की, तो कभी पेट्रोल पम्प मालिकों और विभिन्न डीलरों की और सबके नाम चंदे की राशि का फरमान सुना दिया गया।

इसके अलावा कई सरकारी राशि को भी डायवर्ट किया गया, फिर जाकर गांधी कॉम्प्लेक्स मे शानदार कमरे बने और भाजपा का कार्यालय चला, लेकिन गत वर्षो भाजपा का कार्यालय चंद्रहिया मे शिफ्ट कर दिया गया और गांधी कॉम्प्लेक्स को भी निजी इस्तेमाल मे ले लिया गया।

बिगनी बोली भाजपा के प्रति समर्पित नेताओं के भावनाओं के साथ खूब खेला गया, फिर भी नेता जी अपने आप को भाजपा का समर्पित कार्यकर्ता कहते नहीं थकते है। बिगनी आगे कहती है, पार्टी के प्रति उनके तथा-कथित समर्पण की कहानी कुछ इस तरह से है।

जिला परिषद अध्यक्ष के चुनाव मे भाजपा विधायक पवन जयसवाल की पत्नी का विरोध करते हुए दूसरों को समर्थन करना और जिले भर मे होर्डिंग के माध्यम से उनको बधाई देते हुए पार्टी की पूरी संरचना का इस्तेमाल करते हुए काँग्रेस नेता के पत्नी की जीत सुनिश्चित करवाना।

एमएलसी चुनाव मे भाजपा के प्रत्याशी बब्लू गुप्ता का विरोध करना और एक स्वतंत्र प्रत्याशी का समर्थन करना और जीते हुए प्रत्याशी को होर्डिंग्स के माध्यम से बधाई देना, क्या इनके पार्टी समर्पण की कलाई नहीं खोलता?

बिगनी गुस्से मे बोली जन संघ के संस्थापक सदस्यों मे से एक स्व. लक्ष्मण प्रसाद का नगर परिषद अध्यक्ष चुनाव मे खुलेआम विरोध करते हुए, राजद समर्थित उम्मीदवार का समर्थन करना। 1990 मे मधुबन विधान सभा चुनाव मे भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी डॉ. रामजी सिंह का विरोध और जनता दल के प्रत्याशी सीताराम सिंह का समर्थन करना। सांसद महोदय अपनी पार्टी के प्रति इस तरह समर्पित थे कि 2015 तक भाजपा का कोई उम्मीदवार तक मधुबन से नहीं लड़ा। 2015 मे सीताराम सिंह के पुत्र राणा रणधीर सिंह को प्रत्याशी बनाया गया और वे जीते भी। पार्टी के नेता तक इतने उपेक्षित की रक्सौल के विधायक प्रमोद कुमार सिंह के पुत्र के श्राद्ध कर्म, ढाका विधायक पवन जयसवाल के पिता के श्राद्ध कर्म भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कुमार सिंह के माता जी के श्राद्ध कर्म मे ना भाग ले सके और ना ही संवेदनाओं के दो बोल ही बोल सके।

प्रभाव का गलत इस्तेमाल इतना कि अपने और अपने पिता के नाम बनवाए गए ट्रस्ट के नाम कई बड़े भू- खंडों को अपने नाम करवाना, पिपराकोठी स्थित कई एकड़ मे फैले उनके गड्ढे वाली जमीन को एक कन्स्ट्रक्शन कंपनी से जबरदस्ती 40 लाख से ऊपर के मिट्टी की भराई करवाना भी चर्चे मे रहा।

जिले के प्रभावशाली नेताओं जैसे मोहन लाल मोदी, राज कुमार गुप्ता, राय हरिशंकर शर्मा, नारायण अग्रवाल को पार्टी के मुख्य धारा से अलग करना भी सवालों मे रहेगा। ऐसे मे चरखा पार्क मे आयोजित एक कार्यक्रम मे साहब के आँसू क्या कह रहे है। मौन अपना विभत्स रूप दिखा रहा है, लाशों की ढेर पर कोई घड़ियाली आँसू बहा रहा है।

होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

केसरिया/अरेराज। थाना परिसर में गुरुवार को थानाध्यक्ष उदय कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में होली पर्व को शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द के साथ मनाने को लेकर क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों व अन्य के साथ विचार-विमर्श किया गया। वहीं बैठक में उपस्थित लोगों को आदर्श आचार संहिता के बारे में भी जानकारी दी गई। सम्बोधित करते हुए अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने कहा कि होली पर्व आपसी भाईचारे को बढ़ावा देता है। इस लिए इस पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनायें। वहीं बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने दोनों समुदाय के लोगों से अपील करते हुए कहा कि रमजान का महीना भी चल रहा है। इस बीच रंगों का पर्व होली भी है। दोनों समुदाय के लोग आपसी सौहार्द के साथ पर्व मनायें। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी अनहोनी की सूचना प्रशासन को दें। जिस पर त्वरित कदम उठाया जाएगा। पुलिस निरीक्षक मो मुनीर आलम ने कहा कि हुड़दंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगा। वहीं सोशल मीडिया पर भ्रामक व सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले पोस्ट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस लिए सोशल मीडिया पर ऐसे कोई पोस्ट नहीं करें जिससे किसी की भावना आहत हो। बैठक के उपरांत उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दी। मौके पर प्रशिक्षु बीडीओ दीप्ती शिखा, सीताराम यादव, नेजाम खान, मो इशाक आजाद, चुन्नू सिंह, प्रफुल्ल कुंवर, वीरेंद्र राय, संजय किशोर तिवारी, विशुराज सिंह, शम्भू महतो, अजीत कुमार सहनी, राजन कुमार यादव, साधोलाल साह सहित अन्य मौजूद थे।

अरेराज संवाददाता के अनुसार, थाना मे सर्किल इंस्पेक्टर कृष्णा कुमार गुप्ता, की अध्यक्षता में बैठक हुई संपन्न।बैठक को संबोधित करते हुए कृष्णा कुमार गुप्ता ने बताय कि जुलूस घर-घर घूमकर होली का गीत डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा।ऐसा करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया जगह पर होलिका दहन के दिन चौक चौराहे पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा ताकि किसी तरह की विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न ना हो। वहीं शांतिपूर्ण माहौल में होली मनाने का अनुरोध किया गया।थानाध्यक्ष अपने क्षेत्र में शराब के धंधे बाज एवं होम डिलीवरी करने वालों पर विशेष नजर रखें और उनके विरुद्ध छापेमारी करें चिन्हित स्थानों पर चौकीदार या जरूरत पड़ने पर पुलिस बल की तैनाती करें ताकि विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न ना हो सके।शराब के धंधे बाज होली में हुड़दंग करने वाले लोगों की गुप्त सूचना दें उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

परिवार नियोजन में उत्कृष्ट कार्य पर जिले को 15 पुरस्कार, डीसीएम हुए पुरस्कृत

बेतिया। परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों के चिकित्सा पदाधिकारी और कर्मियों को प्रमंडल स्तर पर सम्मानित किया गया। डीसीएम राजेश कुमार ने बताया की जनवरी से दिसंबर 2023 तक में परिवार नियोजन कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट करने पर जिले को प्रथम स्थान आया है, वहीं जिले को 15 पुरस्कार भी प्राप्त हुए है। उन्होंने बताया की जनवरी से दिसंबर 2023 तक सरोज वर्मा नर्सिंग होम में सर्वाधिक 4988 महिला बंध्याकरण कराए गए है, प्राइवेट नर्सिंग होम डॉ सरोज वर्मा नर्सिंग होम कमलनाथ नगर बेतिया को बर्ष 2023 में सबसे ज्यादा महिला बंध्याकरण हेतु पूरे तिरहुत प्रमंडल में प्रथम पुरस्कार से मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। डीसीएम राजेश कुमार स्पेशल अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है, बीसीएम अनिल कुमार बगहा 2 को, डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव गायनोकॉलोजिस्ट को भी उनके बेहतर कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिले के सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने कहा की स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा किए बेहतर कार्य का नतीजा है की परिवार नियोजन के क्षेत्र में जिले को पहला स्थान

आया है, उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई दी है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से आगे भी मेहनत व लगन से कार्य करने को कहा। जिले के एनसीडीओ डॉ मूर्तजा अंसारी ने बताया की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुल प्रजनन दर प्रति महिला बच्चों की कुल संख्या में कमी, आधुनिक गर्भनिरोधों के उपयोग को बढ़ाने, गर्भनिरोधक साधनों की सामुदायिक स्तर पर पहुंच सुनिश्चित करना एवं परिवार नियोजन के प्रति जन- जागरूकता को बढ़ाने बहुत आवश्यक है। वहीं जनसंख्या वृद्धि रोकने को लेकर विभिन्न प्रकार के अस्थायी तौर पर संसाधनों का प्रयोग किया जा रहा है ताकि लगातार बढ़ती जनसंख्या को रोका जा सकें। डीसीएम राजेश कुमार ने कहा की जन जागरूकता एवं आशा की मदद से 22 पुरुषों का भी नसबंदी कराया गया है। अप्रैल 2023 से जनबरी 2024 तक 9200 महिलाओ का बंधयाकरण हुआ है।

हमारी पर्यावरण दोस्त है चुलबुली गौरैया

विश्व गौरैया दिवस पर विशेष

प्रभुनाथ शुक्ल

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो।

अ हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु -पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता।

गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना

लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है।

भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी।

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं।इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं।

(बरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं समीक्षक)

संपादकीय

हसीन सपने भर नहीं

आंध्र प्रदेश और नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित दो अहम खबरें हैं। रविवार को अमरावती की जनसभा में वे शिक्षा-स्वास्थ्य के अनेक उन्नत केंद्रों से राज्य को एक जीवंत हब बनाने का ऐलान करते हैं। इनमें आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे अनेक संस्थानिक उपहारों का पिटारा खोलते हैं-इस अंदाज में कि ह्यये लीजिए,वो भी लीजिए। और बोलिए कि और आपको क्या चाहिए।' ऐसा दो ही स्थितियों में होता है-जब आप किसी को बेहद मूल्यवान और वजनदार मानकर उसको साधने में बिछ से जाते हैं या फिर किसी को अपने अस्तित्व का बेहद सगा मानते हैं। उसके स्वागत-सत्कार में कसर नहीं छोड़ना चाहते। वैसे चुनावी मौसम में यह दल-निरपेक्ष आम रवायत है। पर भाजपा और नरेन्द्र मोदी के संदर्भ में खास है। मंच पर इसके साक्ष्य थे-तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू और जनसेना के नेता। एनडीए के संयोजक रहे नायडू की सालों बाद एनडीए में वापसी हुई है। हालांकि नायडू भ्रष्टाचार के मामले, जिसके खिलाफ पीएम का अभियान है, में अभी पिछले महीने जेल से जमानत पर हैं। इस विडम्बना के बावजूद भाजपा और प्रधानमंत्री का भरोसा है कि वे इनके सहारे आंध्र प्रदेश की लोक सभा सीटों से '400 पार' जाने का पुख्ता इंतजाम कर लेंगे। विधानसभा में भी कुछ सीटें लाकर गठबंधन सरकार का हिस्सा बन सकते हैं। पिटारा खोलने की यह पहली स्थिति है। यहां कर्नाटक की 25 सीटों की बड़ी भरपाई करनी है,जो कांग्रेस के कब्जे में है-तेलंगाना भी। केरल में भाजपा के नामलेवा तो एकाध हो गए हैं, पर वे सीटें लाने वाले अभी भी नहीं हैं। तमिलनाडु में भाजपा का अन्नाद्रमुक से अलगाव हो चुका है। इसलिए आंध्र और चंद्रबाबू भाजपा के लिए अभी एवं आगे के लिए अपरिहार्य हैं। योजनाओं की झड़ी की यह दूसरी बाध्यता है। इस तस्वीर से बिल्कुल उलट है-तीसरी बार सत्ता में वापसी की प्रधानमंत्री की आस्ति। इसी आधार पर वे सत्ता में आने के 100 दिन बाद के कार्यक्रम बनाने का निर्देश अपनी कैबिनेट को दिया हुआ है। इसके आगे, वे आजादी की सदी 2047 तक देश के सवार्गीण विकास का एजेंडा तैयार किए हुए हैं, जो सर्वे पर आधारित है। विपक्ष इस पर हंस सकता है और इसे मतदाताओं को बरगलाने का एक हथकंडा करार दे सकता है। एक मायने में ऐसा हो भी सकता है। पर योजना और क्रियान्वयन में सरकार जिस तरह से चली है, उसे देखते हुए इस प्रधानमंत्री की आस्ति को 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' मानने में कठिनाई है।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है। एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है। जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है। यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है?

उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर। इस जीवन की कितनी गरिमा है। इस जीवन की कितनी क्षमता है। अनंत आनन्द का खजाना, जो हमारे भीतर है, उसकी ओर हम पीठ करके जीते हैं। महर्षि नारद की तरह फिर कोई संत आता है हमारे बीच। कभी बुद्ध, कभी महावीर, कभी कृष्ण, कभी राम, कभी गुरुनानक, कभी गुरु अर्जुनदेव, कभी दादू, कभी दरिया, कभी रैदास, कभी मीरा, कभी सहजो, कभी दया बनकर आता है और हमसे कहता हैं कि चलो! उस मानसरोवर को चलो, जहाँ से तुम आए हो।

चुनाव की अवधि क्यों बढ़ी शोध का विषय

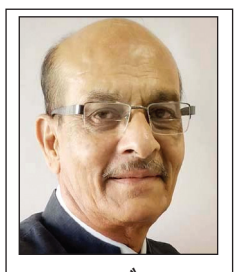

सनत जैन

इस बार के लोकसभा के चुनाव सात चरणों में पूरे होंगे। भारत में ऐसा क्यों होता है। चुनाव की तारीख, अवधि और चुनाव सुधारों को लेकर बातें तो बड़ी-बड़ी होती हैं, लेकिन सुधार नहीं होता है! वही ढाक के तीन पात की स्थिति बनी रहती है। हाल ही में चुनावी बांड को लेकर चुनाव आयोग और राजनीतिक दलों के बीच की कार्य प्रणाली उजागर हो रही है, उसको लेकर मतदाता से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हैरान है। अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव निश्चित अवधि में निश्चित दिन में होता है। 100 साल से ज्यादा का समय हो गया है। यह परंपरा अमेरिका में आज भी चली आ रही है। हर साल नवंबर माह के प्रथम मंगलवार को राष्ट्रपति पद की वोटिंग की तारीख निश्चित है। एक ही दिन में अमेरिका के चुनाव संपन्न हो जाते हैं। इस साल अमेरिका में परंपरा के अनुसार 5 नवंबर को मतदान होगा। 2014 के बाद से भारत में चुनाव की अवधि लगातार बढ़ती चली जा रही है। इसके पहले चार चरणों में लोकसभा चुनाव होते थे। जब देश के पास उतने संसाधन नहीं थे, तब लोकसभा का चुनाव कम

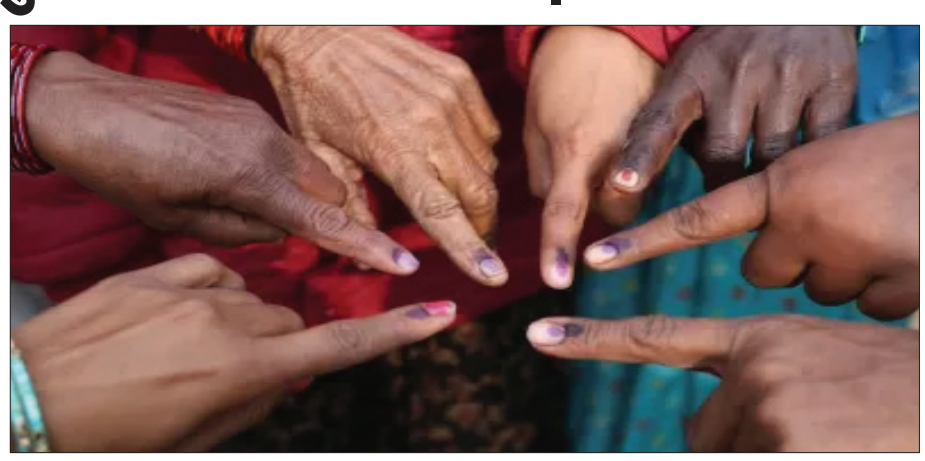

समय में संपन्न हो जाता था। अब सभी संसाधनों के होते हुए भी सात चरण और 42 दिन में चुनाव होगा। चुनाव की अवधि बढ़ने से अब चुनाव प्रक्रिया को लेकर शोध की जरूरत महसूस होने लगी है। दुनिया के देशों में मत पत्र से चुनाव होते हैं। भारत में समय बचाने के लिए ईवीएम से चुनाव होते हैं। उसके बाद भी हनुमान जी की पूंछ की तरह चुनाव आयोग इच्छानुसार चुनाव की अवधि बढ़ाता चला जा रहा है। निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल को लंबे समय तक चुनाव प्रचार करने का समय मिलता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हर चरण का चुनाव प्रचार देश के सभी मतदाताओं तक पहुंचता है। यह अलग बात है, गोदी मीडिया एक ही पार्टी के प्रचार को सबसे ज्यादा दिखाता है। यह भी एक कारण हो सकता है। सभी सात चरणों के मतदान तक टीवी चैनल में, लोकसभा के चुनाव प्रचार को देखा जा सकता है। 2019 में 10 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई थी। वोटों की गिनती 23 मई को संपन्न हो गई थी। इस बार 16 मार्च को चुनाव की घोषणा हुई है। 4 जून को नतीजे सामने आएंगे। पिछली बार 26 मई को प्रधानमंत्री ने शपथ ली थी। अब 4 जून को जब नतीजे आएंगे। उसके बाद ही प्रधानमंत्री पद की शपथ होगी। भारत में ज्योतिष का बड़ा प्रभाव है। चुनाव आयोग ने भी शायद ज्योतिषाचार्य से पूछकर चुनाव की तारीखें तय की होंगी। प्रधानमंत्री का कार्यकाल इस हिसाब से 5 वर्ष से अधिक का होगा। इस लोकसभा चुनाव में 81 दिन तक आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी। जो पिछले चुनाव की तुलना में 6 दिन अधिक है। मई-जून का महीना भारत में जानलेवा गर्मी वाला होता है। राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार करने में और मतदाताओं को मतदान करने में तकलीफ का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका में 100 साल से राष्ट्रपति चुनाव की परंपरा का अक्षरशः पालन किया जा रहा है।

केंद्रीय चुनाव आयोग सारे संसाधन होने के बाद भी चार चरणों का चुनाव सात चरण में करा रहा है। ऐसी स्थिति में जब वन नेशन वन इलेक्शन की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को पूरा करना होगी। तब क्या हाल होगा। यह आसानी से समझा जा सकता है। अब यह भी कहा जाने लगा है, चुनाव आयोग को सरकार के निर्देशन पर काम करना पड़ता है। सरकार के बनाये प्रोग्राम पर काम करना चुनाव आयोग की बाध्यता है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था जरूर है, लेकिन अब वह सरकारी नियंत्रण से मुक्त नहीं है। यदि चुनाव आयोग स्वतंत्र होता, तो निश्चित रूप से पूर्व चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के कार्यकाल की परंपरा को अपनाकर चुनाव कराता। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग की वैसी ही तूती बोलती, जैसे टीएन सेशन के समय पर बोलती थी। उस समय चुनाव आयोग से सरकारी अधिकारी सभी राजनेता डरते थे। चुनाव निष्पक्ष तरीके से होते थे। मतदाताओं का पूरा विश्वास चुनाव आयोग पर होता था। अभी तो चुनाव आयोग पत्रकार वार्ता में पत्रकार के सवाल को टालकर जबाब देने की स्थिति में नहीं है। टीएन सेशन ने निष्पक्ष चुनाव कराने में हमेशा निष्पक्ष होकर बिना डरे जो निर्णय लिए, उसकी आज भी देश और दुनिया में सराहना होती है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से उसकी निष्पक्षता को लेकर मतदाताओं के विश्वास में कमी आ रही है। जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है।

उप्र लॉ एंड ऑर्डर : व्यवस्था में बुलडोजरी सुधार

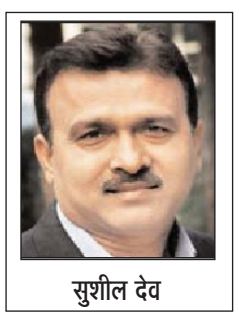

सुशील देव

कानून-व्यवस्था के मामले में कभी उत्तर प्रदेश का नाम बदनाम हुआ करता था। मगर वहां की मौजूदा सरकार के द्वारा कई महत्त्वपूर्ण पहल और सुधारों की वजह से अब गुंडा-माफियाओं राज जैसे संबोधन भी अब शायद ही सुनने को मिलते हैं। सरकार के इन कदमों का मुख्य उद्देश्य राज्य में सुरक्षा और न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाना रहा है। इस बात में संशय नहीं कि सिर्फ इस एक काम के बूते राज्य की सत्ता पर कमल खिला।

पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण कदम उत्तर प्रदेश पुलिस की सुधार का है। सरकार ने पुलिस के कामकाज में तेजी और पारदर्शिता लाने के लिए कई नए नियम और उपाय अमल में लाए हैं। इससे पुलिस की क्षमता में वृद्धि हुई है और अपराधियों को पकड़ने में अधिक सफलता मिल रही है। दूसरा कदम कानूनी प्रक्रिया में सुधार का है। सरकार ने कानूनी प्रक्रिया को और अधिक दुरु स्त के लिए नए नियम लागू किए हैं। इससे न्यायिक कार्रवाई में देरी कम हुई है और अपराधियों को सख्त सजा मिलने में अपेक्षाकृत देरी कम हो रही है। तीसरा महत्त्वपूर्ण कदम लोगों को जागरूक करने और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने का है। यानी आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित किया है।

सरकार ने लोगों को कानून का पालन करने और अपराधियों के खिलाफ रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया है। गौरतलब है कि बेहतर कानून-

व्यवस्था के कारण उत्तर प्रदेश की जनता ने योगी सरकार को दोबारा समर्थन दिया था। प्रदेश में दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करते हीं योगी आदित्यनाथ ने राज्य को भयमुक्त बनाने का भागीरथ प्रयास किया। खासकर, व्यापारी वगरे के लिए उन्होंने भ्रष्टाचार और रंगदारी जैसे प्रथाओं पर नकेल कसा। उसी का परिणाम रहा कि ग्लोबल इंन्वेस्टर्स समिट 2023 में करीब 40 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि 2017 से पहले प्रदेश में निवेश के लिए कोई वहां आना नहीं चाहता था।

उन्होंने हमेशा और असामाजिक और अराष्ट्रीय तत्वों के साथ ह्यजीरो टॉलरेंसह्ल नीति के तहत अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। त्वरित कार्रवाई कर समस्याओं का हल ढूंढना उनकी अच्छी नीतियों में शामिल रहा। यही कारण है कि आम लोगों की गुहार लगाने पर उन्हें तुरंत न्याय दिलाया। इससे योगी सरकार के प्रति लोगों में विश्वास पैदा हुआ जो कहीं-न-कहीं पुलिस की संवेदनशीलता को भी दशार्ता है। माफियाओं और अन्य अपराधियों के खिलाफ करीब करोड़ों-अरबों रुपए की संपत्ति का जब्तीकरण और ध्वस्तीकरण किया।

इसी वजह से उन्हें ह्यबुलडोजर बाबाह्ल की संज्ञा भी दी गई। अब उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से त्योहार, मेले और जुलूस आदि में सांप्रदायिक सौहार्द का संतुलन बढ़ गया है। महिलाओं की सुरक्षा मजबूत हुई है। मौजूदा सरकार में अपराधी अपराध से तौबा करने लगे हैं। सरकार द्वारा प्रदेश में अपराध मुक्त, भय मुक्त एवं अन्याय मुक्त वातावरण का सृजन करते हुए कानून का राज स्थापित हुआ है। गुंडों, माफियाओं और अराजक तत्वों को न्यायिक प्रक्रिया के शिकंजे में कसा गया है। मुख्यमंत्री की कार्यशैली की देश-विदेश में प्रशंसा हुई है। मुख्यमंत्री योगी मानते हैं कि अपराध की बदलती प्रकृति के अनुसार कानून के रखवालों को भी खुद में बदलाव लाना चाहिए। यानी आज स्मार्ट पुलिसिंग जरूरी है। पुलिस सुधार के लिए राज्य में उल्लेखनीय पहल किए गए। पुलिस अधिकारियों को न्यायिक कायरे में शामिल होने के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिससे उन्हें अपराधियों को पकड़ने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में अधिक सक्षमता हासिल हुई है। मुख्यमंत्री ने हमेशा इंफ्रास्ट्रक्चर तकनीक और ट्रेनिंग पर काफी बल दिया।

यह उनकी दूरदर्शिता का परिचायक ही रहा कि आज उत्तर प्रदेश की वर्दी से गुंडों और माफिया सकते में है बल्कि आम लोगों का भी पुलिस पर विश्वास बढ़ा है। राज्य सरकार ने महिला सुरक्षा को लेकर कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाया। पुलिस बल को मजबूत करने के लिए महिला पुलिस बटालियन का सृजन किया। भूमाफियाओं के खिलाफ बेहतर कानून-व्यवस्था में चौकसी दिखाई। आज थानों का निरंतर निरीक्षण, पुलिस के कर्तव्य और भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की सजगता ने असुरक्षित और बीमारू राज्य की छवि से उत्तर प्रदेश को लगभग मुक्त कर दिया है। ऐसे कई कदम योगी सरकार ने उठाए, जिसके कारण वहां अपराध पर लगाम लगा है।

करीब 40 से अधिक पुलिस थाने, दर्जनों पुलिस चौकियां और लगभग डेढ़ लाख से अधिक नई पुलिस भर्तियां भी वहां की कानून-व्यवस्था में बदलाव का संबल बना है। सरकार ने अपने स्थानीय स्तर पर अपराध निवारण समितियों की स्थापना की है ताकि निचले स्तर पर ज्यादा से ज्यादा अपराध को रोका जा सके। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक पिछले कुछ वर्षो में उत्तर प्रदेश में अपराध तेजी से घटे पुलिस की वर्दी से अपराधियों में डर पैदा हुआ है। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार राज्य के विकास और प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण है और सरकार का यह प्रयास सराहनीय है। हां, बाकी राज्य भी अगर उत्तर प्रदेश से सीख लें तो कानून-व्यवस्था के मसले पर देशव्यापी सुधार दिखेंगे।

महिला को भगाकर ले जाने पर पेशाब पिलाई, फिर प्रेमिका से चप्पल से पिटवाया

–आधी मूंछ काटी और गंजा करके पूरे गांव में घुमाया

उज्जैन। प्रदेश में एक युवक को शराब पिलाने का मामला सामने आया है। उज्जैन में शादीशुदा महिला को भगाकर ले जाने पर लोगों ने एक युवक को पेशाब पिला दी। प्रेमिका के हाथों से ही उसे चप्पल से पिटवाया। महिला और युवक दोनों ही बंजारा समाज के है। समाज के लोगों ने युवक की आधी मूंछ काटी और गंजा करके गांव में घुमाया। वही महिला की भी पिटाई कर दी। समाज के ही ग्रुप पर इसके वीडियो वायरल हुए, तब कहीं जाकर पुलिस तक मामला पहुंचा। मामला घट्टिया थाना क्षेत्र का है। घटना चार दिन पुरानी है। पुलिस बुधवार सुबह आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पहुंची, लेकिन सभी मजदूरी के लिए गए हुए थे। युवक–महिला दोनों घट्टिया थानाक्षेत्र के भीलखेड़ी गांव के रहने वाले हैं। युवक भी शादीशुदा है। महिला के दो बच्चे हैं। परिवार और गांव के लोग दोनों को राजस्थान से पकड़कर भीलखेड़ी लाए। लोगों ने उसे पेड़ से बांधकर जूते–चप्पल की माला पहनाई। उसका और परिवार का नाम पूछते हुए मुंह में जूते ठूंसे। आरोपियों ने युवक को जूते–चप्पल की माला पहनाकर घुमाया। वीडियो में लोग युवक से सिर पर जूता रखने के लिए भी कह रहे हैं। जिस महिला को वह भगा ले गया था, उसे बुलाकर चप्पलों से पिटवाया, बाद में महिला को भी पीटा गया। एडिशनल एसपी नितेश भार्गव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। किसी ने भी अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। वीडियो के आधार पर आरोपियों का पता लगाकर कार्रवाई करेंगे।

10 महीना में 38 फ़ीसदी घट गया विदेशी निवेश

मुंबई। पिछले 10 माह में भारत का विदेशी निवेश लगातार घटता चला जा रहा है। पिछले 10 महीना के दौरान देश में 1.27 लाख करोड रुपए का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत आया है। 1 साल पहले इसी अवधि में यह 2.5 लाख करोड रुपए था। पिछले वर्ष की तुलना में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगभग 38 फ़ीसदी की कमी आई है। इसी बीच भारत से विदेश में निवेश करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक ने मंगलवार को जो बुलेटिन जारी किया है। उसके अनुसार भारतीय कंपनियों ने विदेशों में 83000 करोड रुपए का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। वहीं भारत में विदेशी निवेश कम हो रहा है। रिजर्व बैंक इसको लेकर चिंतित है। रिजर्व बैंक का मानना है, कि वैश्विक मंदी के कारण भारत में विदेशी निवेश घट रहा है।

एल्विश यादव को रिमांड पर ले सकती है पुलिस,सोशल मीडिया पर खंगाला जा रहा कंटेंट

नोएडा। यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं है। पुलिस यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कंटेंट को खगाल कर सबूत जुटा रही है। संभावना हैं कि पुलिस एलविश को रिमांड पर लेने के लिए आवेदन कर सकती है। जानकारी के मुताबिक, आईटी एक्सपर्ट की एक टीम उसके सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाल रही है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और अन्य जगहों पर अपलोड वीडियो को जांच की जा रही है। इन सबका ब्योरा पुलिस अपनी केस डायरी में दर्ज कर रही है। इसके बाद चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इसके साथ–साथ पुलिस रेव पार्टी के आयोजकों का ब्यौरा भी जुटा रही है और ये भी पता लगा रही है की इन पार्टियों में कौन–कौन आता था। सोशल मीडिया पर एल्विश यादव की फॉलोइंग बहुत ज्यादा है और उसके फॉलोअर्स और फैंस लगातार सोशल मीडिया पर मैसेज कर रहे हैं। कई बार वे अपनी भड़ास पुलिस पर निकलते भी दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया पर एल्विश ने अपना सफर 2016 में शुरू किया था और अब उसके 1.49 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं। अपने वीडियो को हिट करने के लिए उसने कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करता था। इनमें लग्जरी गाड़ियां, लोकेशन और जीव–जंतु भी होते थे। उसने सांप और विदेशी लड़कियों के साथ भी कई वीडियो अपने सोशल मीडिया पर डाले हुए हैं। सूत्रों की मानें तो जल्द ही पुलिस एल्विश की रिमांड के लिए भी आवेदन कर सकती है, जिन जगहों पर एलविश रेव पार्टी किया करता था उन जगहों पर भी पुलिस उसे ले जा सकती है। इसके साथ– साथ इस केस में पकड़े गए अन्य लोगों से आमना–सामना कराकर भी एक बार फिर पूछताछ हो सकती है। दूसरी तरफ गुड़गांव पुलिस भी एल्विश को वहां दर्ज केस के सिलसिले में रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। एलविश को ग्रेटर नोएडा के लुक्सर जेल की हाई सिक्योरिटी बैरेक में शिफ्ट करने के पीछे भी एक बड़ी वजह बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया है कि जेल में भी कई कुख्यात गैंग के बदमाश बंद है जिसके चलते एल्विश को हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा गया है।

झारखंड के चतरा में सीआरपीएफ के जवान ने खुद को गोली मारी, मौत

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में बुधवार को केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 32 वर्षीय जवान ने अपनी सरकारी राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर जान दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से करीब 200 किलोमीटर दूर वशिष्ठ नगर इलाके में सीआरपीएफ की 190 बटालियन की चौकी पर हुई। घटना की पुष्टि करते हुए सीआरपीएफ की 190 बटालियन के कमांडेंट मनोज कुमार ने बताया कि मृतक जवान के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। मृतक की पहचान निहाल सिंह के तौर पर हुई है जो बल में चालक के पद पर तैनात था। कुमार ने बताया कि राजस्थान के दौसा का निवासी सिंह तीन फरवरी को छुट्टी से लौटा था। उन्होंने कहा कि सिंह 2015 में सीआरपीएफ में शामिल हुआ था और 2022 में 190 बटालियन में आया था। इस बीच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि कथित खुदकुशी का सटीक कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है।

गंभीर रूप से घायल अभिनेत्री अरुंधति को इलाज के लिए आर्थिक मदद की जरूरत : परिवार

बेंगलुरु (कर्नाटक)। छह दिन पहले एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गईं अभिनेत्री अरुंधति नायर की सर्जरी के लिए आर्थिक मदद की जरूरत है। अरुंधति की दोस्त और अभिनेत्री राम्या जोसफ ने बुधवार को यह बात कही। राम्या ने बताया कि अरुंधति 14 मार्च की रात को तिरुवनंतपुरम में अपने भाई के साथ एक बाइक पर घर लौट रही थीं तभी रास्ते में एक ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। राम्या ने बताया कि उन्हें तत्काल अनंतपुरी अस्पताल ले जाया गया जहां अरुंधति के भाई को मामूली चोट के उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। अभिनेत्री ने कहा कि अरुंधति के अस्पताल में होने और इलाज के लिए पैसों की जरूरत होने की खबर सोशल मीडिया पर फैलने के बाद भी तमिल फिल्म उद्योग से किसी ने उनकी मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया है। राम्या ने कहा, 'अरुंधति ने तमिल में पांच फिल्मों में शीर्ष किरदार अदा किया है। वह इतनी गंभीर रूप से घायल हो गईं कि कल तक डॉक्टरों को संदेह था कि वह दिमागी रूप से मृत हो सकती हैं। फिर भी, तमिल फिल्म जगत से किसी ने संपर्क नहीं किया। मुझे पता है कि ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन अगर कोई फोन करता और उनका हालचाल पूछता तो अच्छा लगता, आर्थिक मदद की बात तो भूल जाइए।' राम्या ने कहा कि अरुंधति का जन्म और पालन–पोषण तिरुवनंतपुरम में हुआ था, लेकिन उन्होंने अब तक केवल एक मलयालम फिल्म में अभिनय किया है और फिर भी मलयालम फिल्म उद्योग एक आवाज पर आगे आया। अरुंधति की बहन अराती ने बताया कि जब परिवार और दोस्तों ने जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही अरुंधति के लिए आर्थिक सहयोग लेना शुरू किया तो कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, 'मेरी बहन इतनी बुरी तरह घायल है, लेकिन कई लोग कह रहे हैं कि यह घोटाला है।' राम्या ने कहा कि समस्या तब शुरू हुई जब मलयालम अभिनेत्री और दोस्त गोपिका आनंद ने अपने सोशल मीडिया पेज पर आर्थिक मदद की अपील की। उन्होंने बताया कि अरुंधति की कलाई और कॉलर की हड्डी टूट गई है और सर्जरी के लिए करीब पांच लाख रुपये की जरूरत है। अरुंधति की बहन ने बताया कि डॉक्टर मस्तिष्क की सर्जरी की भी तैयारी कर रहे हैं।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बनी हुई है खराब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, राजधानी में दिन में आसमान मुख्य रूप से साफ रह सकता है। उसके आंकड़ों के अनुसार सुबह 9.05 बजे सापेक्ष आर्द्रता का स्तर 82 प्रतिशत दर्ज किया गया।

'बीजेपी में शामिल होने आ रहे थे हेलीकॉप्टर वाले नेता लेकिन...', बिना नाम लिए कमलनाथ पर कैलाश विजयवर्गीय का निशाना

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ और उनके बेटे नकुल नाथ का नाम लिए बिना कहा कि कई लोग भगवा पार्टी में शामिल होने के लिए विमान और हेलीकॉप्टर से आ रहे थे लेकिन इसने उनके लिए दरवाजे बंद रखे हैं। उनके बयान का हवाला उन मीडिया रिपोर्टों के हवाले से दिया गया, जिनमें दावा किया गया था कि पिता-पुत्र की जोड़ी ने महीनों पहले भाजपा में जाने की योजना बनाई थी।

विजयवर्गीय छिंदवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में अपनी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं - एकमात्र सीट जो कांग्रेस ने जीती थी - जो नाथ परिवार का गढ़ है। लोकसभा चुनाव 2019 में नकुल नाथ ने इस सीट से जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और कई अन्य स्थान ऐसे हैं जहां कांग्रेस के पास कोई उम्मीदवार नहीं है और कोई भी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है। इस बार हम छिंदवाड़ा सीट से ही (जीतने की) शुरुआत करेंगे।

पिछले महीने भी, विजयवर्गीय ने कहा था कि भाजपा को कमल नाथ की जरूरत नहीं है और उनके लिए दरवाजे बंद हैं क्योंकि फरवरी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अगले राजनीतिक कदम पर सस्पेंस बढ़ गया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'मैंने कहा था कि हमारी पार्टी में कमल नाथ की कोई जरूरत नहीं है और इसीलिए उनके लिए दरवाजे बंद हैं।' इससे पहले अपने भाजपा में जाने की चर्चा को खारिज करने के एक दिन बाद, कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वह खुद को उन पर ÷थोपेंगे÷ नहीं और अगर वे उन्हें चाहेंगे तो ÷छोड़÷ देंगे। मध्य प्रदेश में अपने गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा के हर्रई में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए 77 वर्षीय नेता ने कहा कि उन्हें कई वर्षों से उनका प्यार और विश्वास मिल रहा है।

पेपर लीक से पीड़ित परिवारों को बड़ा वोट बैंक मान रहे हैं अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पेपर लीक मामले को बड़ा मुद्दा बनाकर भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। अखिलेश जो गणित लगा रहे हैं उसके आधार पर उन्हें लगता है कि यदि उनकी गणित सही बैठी तो यूपी से बीजेपी का सफाया जो गायेगा। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार भर्तियों को निरस्त कर रही है। प्रदेश के 60 लाख नौजवानों का भविष्य अंधकार में है और अगर वे और उनके परिवार वाले बीजेपी के खिलाफ हो गए तो पार्टी का उत्तर प्रदेश से सफाया हो जाएगा। उत्तर प्रदेश से हटने का मतलब देश से हटना हुआ। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इन 60 लाख बच्चों के परिवार के अगर दो सदस्यों को भी मतदाता के रूप में शामिल कर लें तो एक करोड़ 80 लाख वोट होते हैं, अगर इस संख्या को 80 से भाग दे दें तो हर लोकसभा में भाजपा के दो लाख 25 हजार वोट कम हो जाएंगे। इस योजना को आगे बढ़ाने का काम समाजवादी लोग करेंगे। बता दें कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद अभ्यर्थियों ने कई दिनों तक प्रदर्शन किया था। अभ्यर्थियों के आगे सरकार को झुकना पड़ा था और भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया था। इसके अलावा आरओ और एआरओ भर्ती परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया था। यह परीक्षा भी रद्द कर दी गई थी। सरकार ने एसटीएफ को जांच सौंपी है और जांच चल रही है। पुनः परीक्षा भी कराई जा रही है, लेकिन अखिलेश इसके बहाने बीजेपी के सामने परेशानी खड़ी करके अपनी सीटें बढ़ाने में लगे हैं।

लोकसभा चुनाव: 102 सीटों के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन की प्रक्रिया शुरू

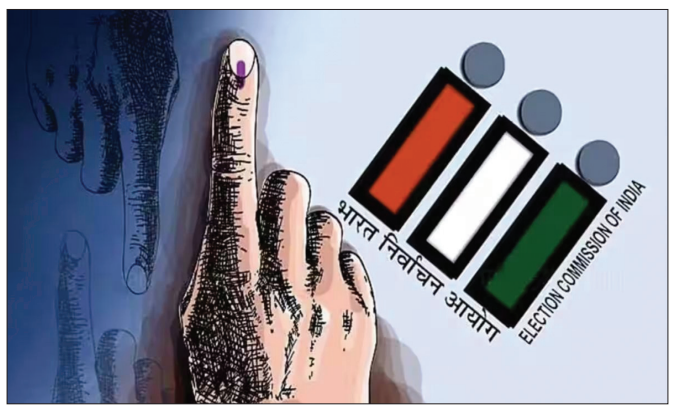

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। 102 सीटों के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा। राष्ट्रपति की तरफ से निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च है। इस चरण में 17 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। बता दें कि पहले चरण में तमिलनाडु की 29, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की 8, मध्य प्रदेश की 6, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की 5-5, बिहार की 4, पश्चिम बंगाल की 3, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय की 2-2 और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में की 1-1 सीटों पर मतदान होगा।

पहले चरण में जिन राज्यों की लोकसभा सीटों के लिए मतदान होने हैं, उन पर प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बता दें कि निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जिसके तहत देश भर में सात चरणों में मतदान संपन्न होंगे। बता दें कि पहले चरण के लिए 19 अप्रैल, दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल, तीसरे चरण के लिए 7 मई, चौथे चरण के लिए 13 मई, पांचवें चरण के लिए 20 मई, छठें चरण के लिए 25 मई और सातवें चरण के लिए 1 जून को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 जून को आएंगे।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुरक्षित लोकसभा चुनाव आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहले चरण के लिए 27 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। हालांकि बिहार में पहले चरण में जिन लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है, उनके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख एक त्योहार की वजह से बढ़ाकर 28 मार्च की गई है। बिहार की 40 में से चार लोकसभा सीट पर मतदान प्रथम चरण में होगा। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च है, वहीं बिहार में प्रथम चरण की चार सीट के लिए नामांकन वापसी की प्रक्रिया दो अप्रैल तक जारी रहेगी। देश में 18वीं लोकसभा के लिए 19 अप्रैल को चुनाव शुरू होंगे और एक जून तक सात चरणों में मतदान होगा। मतगणना चार जून को होगी।

चुनाव प्रचार से पहले वडोदरा में रंजन भट्ट के खिलाफ पोस्टर वॉर, भाजपा के कई नेता हैं नाराज

वडोदरा (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार से पहले वडोदरा सीट से भाजपा उम्मीदवार रंजन भट्ट के खिलाफ पोस्टर वॉर छिड़ गया है। जिसमें लिखा है 'मोदी तुझसे बैर नहीं, रंजन तेरी खैर नहीं।' बता दें कि रंजन भट्ट वडोदरा से मौजूदा सांसद हैं और भाजपा ने फिर एक बार उन्हें मौका दिया है। जिसे लेकर पार्टी के कई नेता नाराज चल रहे हैं। बीते दिन वडोदरा के सावली से विधायक केतन ईनामदार ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। हांलाकि गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। वडोदरा में यह पोस्टर किसने लगाए इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हांलाकि रंजन भट्ट के खिलाफ लगाए गए सभी पोस्टरों को हटा दिया गया है। चर्चा है कि भाजपा के भीतर ही कई नेता विभीषण बन गए हैं और ऐसे नेताओं ने तीसरी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रही रंजन भट्ट के खिलाफ पोस्टर लगाए हैं। दूसरी ओर वडोदरा में लगे पोस्टर को लेकर रंजन भट्ट ने स्वयं शिकायत दर्ज करवा दी है। जिसके आधार पर जिला चुनाव अधिकारी ने मामले की जांच कर प्राथमिक रिपोर्ट मांगी है। अगर आचाह संहिता का उल्लंघन हुआ है तो जरूरी कार्यवाही की जाएगी। रंजन भट्ट के खिलाफ वडोदरा में कारेलीबाग, गांधी पार्क सोसायटी, वल्लभ पार्क सोसायटी, जागृति सोसायटी, झवेरनगर सोसायटी समेत आसपास के क्षेत्रों में पोस्टर लगाए गए है। रंजन भट्ट को तीसरी बार रिपीट किए जाने से कई नेता नाराज हैं। जिसमें वडोदरा की पूर्व मेयर और राष्ट्रीय महिला मोर्चा की पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति पंड्या भी शामिल हैं। ज्योति पंड्या वडोदरा से टिकट की उम्मीद लगाए बैठी थीं, लेकिन रंजन भट्ट को तीसरी बार उम्मीदवार बनाने से वह नाराज हो गईं और पार्टी की परवाह किए बगैर सार्वजनिक रूप से नाराजगी व्यक्त की थी। साथ ही उन्होंने रंजन भट्ट पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए थे।

मेटा का दावा– लोकसभा चुनाव के चलते गुमराह करने वाली खबरों पर कसेंगे शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी मेटा लोकसभा चुनाव को लेकर काफी सतर्क हो गई है। कहीं कोई फेक न्यूज, आपत्तिजनक सामग्री या अपवाह फैलाने वाले कंटेंट पर कंपनी नजर रख रही है। इसके लिए करीब 40 हजार लोगों की टीम लगाई गई है। यह टीम फेक्ट चेकर,एआई और कई तरह की हाईटेक तकनीकी का उपयोग कर इस पर नजर रखेगी। मेटा दुनिया भर में बचाव एवं सुरक्षा जैसे विषयों पर 40,000 लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी 2016 से इस पर 20 अरब डॉलर लगा चुकी है। इनमें सामग्री की समीक्षा करने वाले 15,000 लोग भी शामिल हैं, जो फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स जैसे प्लेटफॉर्म पर 70 भाषाओं में काम कर रहे हैं। इनमें 20 भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं। मेटा ने यह भी कहा कि गुमराह करने वाली सामग्री की पहचान और उससे होने वाले जोखिम को रेटिंग देने में अपने फैक्ट-चेकर की मदद करने के लिए वह 'कीवर्ड डिटेक्शन' तकनीक का इस्तेमाल करेगी। कंपनी स्वैच्छिक नीति संहिता के माध्यम से भारतीय निर्वाचन आयोग को सहयोग दे रही है। इस संहिता में निर्वाचन आयोग सोशल मीडिया कंपनियों को गैर-कानूनी सामग्री पर ध्यान देने के लिए कहता है। मेटा 2019 में इस व्यवस्था से जुड़ी थी। इस आम चुनाव में जेनेरेटिव एआई की मदद से तैयार सामग्री पर भी आयोग समेत सबकी निगाहें होंगी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कुछ महीने पहले बड़ी तकनीकी कंपनियों को ऐसी व्यवस्था (वाटर मार्किंग) या प्रणाली तैयार करने के लिए कहा था, जो एआई डीपफेक के इस्तेमाल से तैयार सामग्री का पता लगा सके। मेटा के साथ काम कर रहे फैक्ट-चेकर एआई से तैयार सामग्री की समीक्षा करने के साथ उन्हें रेटिंग भी देंगे। मेटा ने कहा कि वह गूगल, ओपनआई, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, मिडजर्नी और शटरस्टॉक द्वारा एआई से तैयार तस्वीरों की पहचान कराने के लिए नई तकनीक तैयार कर रही है। यूजर इन कंपनियों द्वारा तैयार तस्वीरों को फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स पर डालते रहते हैं। मेटा की तरह गूगल भी चुनाव के दौरान मतदाताओं को गुमराह करने वाली सामग्री पर नकेल कसने में सहयोग कर रही है। कंपनी ने अपने एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी में कुछ बदलाव किए हैं जिसके बाद यह भारतीय चुनावों से सीधे तौर पर जुड़े किसी सवाल का जवाब नहीं दे पाएगा। देश में 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा चुनाव कराए जाएंगे। मेटा ने कहा है कि वह गुमराह करने वाली खबरें फैलने से रोकने के सभी उपाय करेगी। कंपनी ने कहा कि वह मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री हटाएगी और फेसबुक और थ्रेड्स पर पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए जवाबदेही तय करेगी। मेटा ने कहा है कि देश में आम चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी रखने में वह अपनी तरफ से पूरा सहयोग करेगी।

राज ठाकरे की भाजपा से नजदीकियों पर भड़के उद्धव बोले- महाराष्ट्र में पीएम मोदी की नहीं है लहर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक समय था जब शिवसेना की तूती बोलती थी। हर एक दल शिवसेना से हाथ मिलाना चाहता था। अब तस्वीर बदली है। पहले शिवसेना के हाथ से पार्टी गई अब ठाकरे सरनेम भी खिसक रहा है। इसे नाराज शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को केंद्र की सत्ताधारी भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए एक ठाकरे को चुराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे की यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच दिल्ली में हुई एक बैठक के मद्देनजर आयी है। उद्धव ठाकरे ने नांदेड़ जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि यदि भाजपा उनके चचेरे भाई को अपने साथ ले लेती है, तो इससे उन्हें कोई परेशान नहीं होगी। उद्धव ने कहा, ''भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि उसे महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर वोट नहीं मिलने वाले हैं। लोग यहां (बाल) ठाकरे के नाम पर वोट करते हैं। इस अहसास ने भाजपा को बाहर (भाजपा) से नेताओं को चुराने की कोशिश करने के लिए प्रेरित किया है।''उन्होंने भाजपा पर बाल ठाकरे की विरासत को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में नांदेड़ और हिंगोली जिलों के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर कहा, पहले, उन्होंने बाल ठाकरे की तस्वीर चुरायी, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आज, वे एक और ठाकरे को चुराने की कोशिश कर रहे हैं...इसे ले लो, मैं और मेरे लोग काफी हैं।उद्धव ठाकरे की पार्टी विपक्षी महा विकास आघाडी और 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि ईसाइयों और मुसलमानों को भी उनकी हिंदुत्व की शैली से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा, जब हम भाजपा के साथ थे, तब शिवसेना (अविभाजित) की छवि खराब हो रही थी लेकिन जब से हमने उनसे संबंध तोड़ा है, ईसाई और मुस्लिम समुदाय के सदस्य भी कह रहे हैं कि उन्हें हमारी हिंदुत्व की विचारधारा से कोई दिक्कत नहीं है। वहीं दूसरी तरफ, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भी मंगलवार को आरोप लगाया कि राज ठाकरे के नेतृत्व वाली एमएनएस और भाजपा गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे महा विकास आघाडी (एमवीए) की सफलता से डर गए हैं। दिल्ली में राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच बैठक के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि अगर एमएनएस, भाजपा नीत महायुति में शामिल होती है, तो इसका राज्य की राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''यह घटनाक्रम एमवीए की सफलता के डर से हो रहे हैं।''राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और वे राज्य के खिलाफ रुख रखने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी) के अलावा कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अन्य घटक हैं। जब शिवसेना अविभाजित थी, तब राज ठाकरे ने उद्धव के साथ अपने मतभेदों के कारण, उससे नाता तोड़ लिया था और 2006 में महाराष्ट्र नव निर्माण सेना की स्थापना की थी। भले ही राज ठाकरे को एक शक्तिशाली वक्ता के रूप में देखा जाता है और उनके समर्थकों का एक आधार है, लेकिन उनकी पार्टी ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में जज जरूरी नहीं, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं का विरोध किया, जिसमें चुनाव आयुक्तों का चयन करने वाले पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इसमें आरोप लगाया गया कि असमर्थित और हानिकारक बयानों के आधार पर राजनीतिक विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे में, सरकार ने याचिकाकर्ताओं के इस आरोप को खारिज कर दिया कि ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को शीर्ष अदालत द्वारा पारित किसी भी आदेश को रोकने के लिए 14 मार्च को 'जल्दबाजी' में नियुक्त किया गया था। सरकार ने तर्क दिया कि इतने बड़े पैमाने पर आम चुनाव के कारण एक सीईसी के लिए अकेले अपने कार्यों का निर्वहन करना मानवीय रूप से संभव नहीं होगा। सरकार ने कांग्रेस नेता जया ठाकुर और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा अधिनियम के खिलाफ दायर याचिका के जवाब में दायर किया था। याचिका में कहा गया था कि चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कार्यपालिका के हाथों में छोड़ना 'लोकतंत्र के स्वास्थ्य और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संचालन के लिए हानिकारक होगा। न्यायालय ने निर्देश दिया था कि सीईसी और चुनाव आयुक्तों के पदों पर नियुक्तियाँ प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली एक समिति की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जानी चाहिए।

दिल्ली बॉर्डर से हटने लगे सीमेंटेड बैरिकेड्स, दिल्ली वालों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली(एजेंसी)। किसान आंदोलन के चलते दिल्ली से सटी सीमाओं के आसपास सीमेंटिड बैरिकेड्स लगाए गए हैं। इसके कारण यातायात का मार्ग भी बदला गया था। लंबा जाम लगता था और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब इससे राहत मिलने जा रही है। एक बार फिर बड़े किसान आंदोलन की सुगबुगाहट के चलते 13 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने टिकरी, सिंघू और गाज़ीपुर सीमाओं को कंक्रीट और लोहे की कीलों के बहुस्तरीय बैरिकेड्स के साथ सील कर दिया था। लेकिन यात्रियों के लिए आसान आवाजाही फिर से शुरू करने के लिए सीमेंटेड ब्लॉक और बैरिकेड्स को हटाना शुरू कर दिया है।

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को गाज़ीपुर सीमा पर बैरिकेड्स को हटाना शुरू कर दिया क्योंकि किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी की ओर अपना मार्च रोक दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, यातायात के बेहतर बनाने के लिए, हमने गाज़ीपुर सीमा से सीमेंटेड बैरिकेड्स को हटाने का निर्णय लिया है। बैरिकेड्स को हटाने की प्रक्रिया में एक या दो दिन लग सकते हैं। हालांकि पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती से चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाएगी यानी बल की तैनाती पहले की तरह ही रहेगी।कंक्रीट बैरिकेड्स हटाने के साथ टिकरी बॉर्डर का ज्यादातर हिस्सा खोल दिया गया है लेकिन लोहे के बैरिकेड्स अभी भी सड़क किनारे लगे हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस अभी भी सीमाओं पर नजर रखे हुए है। बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने पिछले महीने दिल्ली चलो मार्च बुलाया था, जिसके बाद पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा पुलिस के जवानों के बीच झड़प हो गई थी। कुछ यात्रियों ने कहा कि इन बैरियरों के खुलने से ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी और लोग समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने 25 फरवरी को यात्रियों के लिए टिकरी और सिंघू बॉर्डर पर सीमेंट के बैरिकेड्स हटा दिए थे। अधिकारी ने कहा, अन्य दो सीमाओं - सिंघू और टिकरी पर भी यात्रियों को छूट दी गई है। सिंघू में दिल्ली-हरियाणा को जोड़ने वाले फ्लाईओवर की साइड लेन पर लगाए गए कंक्रीट बैरिकेड हटा दिए गए हैं हालाँकि, फ्लाईओवर पर बैरिकेड्स अभी भी लगे हुए हैं।

जोमेटो ने ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस लिया

नई दिल्ली ।

जोमेटो ने अपने प्योर वेज फ्लीट के डिलीवरी पर्सन के लिए रेड की जगह ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस ले लिया है। घोषणा के एक दिन के भीतर ही जोमैटो ने इस फैसले को वापस ले लिया। दरअसर जोमैटो ने हाल ही में वेज खाना खाने वालों के लिए एक खास सेवा शुरु की थी।

शाकाहारी खाने को तरजीह देने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्योर वेज मोड सर्विस का ऐलान किया था, जिसके तहत 100 फीसदी वेज खाना पसंद करने वालों के लिए प्योर वेज रेस्ट्रां से खाना डिलीवर किया जाएगा और वेज खाना डिलीवर करने के लिए जोमैटो में एक अलग से एक डिलीवरी पर्सन की शाखा बनेगी, जिसे प्योर वेज फ्लीट का नाम दिया गया। कंपनी के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी थी। वहीं वेज और नॉन वेज खाने के डिलिवरी पर्सन की अगल-अगल यूनिफॉर्म के इस फैसले के बाद से जोमैटो की काफी आलोचना हुई।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कंपनी को खूब खरी-खोटी सुनाई। इसी आक्रोश के बीच कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस लेने का ऐलान किया है।

इस मामले में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, हम शाकाहारियों के लिए एक फ्लीट जारी रखने जा रहे हैं, लेकिन ग्रीन यूनिफॉर्म को हटाने का फैसला किया है। गोयल ने आगे कहा कि जो ग्राहक प्योर वेज का विकल्प चुनते हैं, वे मोबाइल ऐप पर देख सकते हैं कि उनके ऑर्डर केवल शाकाहारी फ्लीट द्वारा ही डिलीवर किए जा रहे हैं।

गोयल ने फैसले को वापस लेते हुए पोस्ट में कहा कि इन मुद्दों को उठाने के लिए सोशल मीडिया को धन्यवाद दिया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

- ब्रेंट क्रूड 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 87.26 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम कंपनियों ने देशभर में पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। देश में हर दिन 6 बजे ईंधन की नई कीमतें जारी की जाती हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने फ्यूल की ताजा कीमत अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर अपडेट कर दी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.37 फीसदी की गिरावट के साथ 83.16 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 87.26 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। 20 मार्च को देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। वहीं राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

ईवी पॉलिसी को जून तक बढाने को मिली मंजूरी

-लोगों को मिलता रहेगा सब्सिडी का फायदा

नई दिल्ली ।

राज्य की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को दिल्ली कैबिनेट ने इस साल जून तक बढा दिया है। सब्सिडी का फायदा लोगों को मिलता रहेगा। दिल्ली की सरकार ने इस पॉलिसी को बढाने के निर्णय को मंजूरी दी है। दिल्ली सरकार ने एक बयान में कहा कि सभी मौजूदा प्रोत्साहन और सब्सिडी बरकरार रहेगी और 1 जनवरी से खरीदा गया कोई भी इलेक्ट्रिक वाहन इस विस्तार के तहत लाभ के लिए पात्र होगा। बयान के मुताबिक, दिल्ली ईवी पॉलिसी को 30 जून तक या दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0 की नोटिफिकेशन तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया है। ईवी पॉलिसी को आगे बढ़ाने का फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बता दें कि दिल्ली सरकार ने 7 अगस्त 2020 को 3 साल की अवधि के लिए ईवी पॉलिसी की नोटिफिकेशन जारी की थी, जिसे बाद में 31 दिसंबर 2023 तक बढ़ा दिया गया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि ईवी पॉलिसी के जरिए भारत को ईवी के मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने और टेस्ला समेत विभिन्न वैश्विक ईवी मैन्युफैक्चरर से निवेश आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।दिल्ली सरकार ईवी पॉलिसी 2.0 तैयार करने पर काम कर रही है। हाल ही में केंद्र सरकार ने भारत को मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार (15 मार्च) को ईवी पॉलिसी को मंजूरी दे दी जिसमें न्यूनतम 50 करोड़ डॉलर (4,150 करोड़ रुपये) के निवेश के साथ देश में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित करने वाली कंपनियों को शुल्क में रियायतें दी जाएंगी।

बाजार खुलते ही आयशर मोटर्स के शेयर में पांच फीसदी तेजी

नई दिल्ली ।

मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बाद बुधवार को शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई है। बाजार में इस हलचल का असर ऑटो सेक्टर पर भी दिखाई दे रहा है।

ऑटो सेक्टर में खास तौर पर आयशर मोटर्स का शेयर जबरदस्त तेजी में दिख रहा है। बाजार खुलते ही ये शेयर 5 फीसदी उछल गया है। शेयर में इस तेजी का कारण है ग्लोबल ब्रोकरेज का डबल अपग्रेड, ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने आयशर मोटर्स की रेटिंग को अपग्रेड किया है। ब्रोकरेज ने शेयर पर रेटिंग को पेचुरल से डबल अपग्रेड कर दिया है। वहीं इसी के साथ टारगेट को 4300 रुपए से बढाकर 5000 रुपए कर दिया है। बता दें कि बीएसई पर शेयर 5 फीसदी की उछाल के साथ 3916 रुपए के पार कारोबार कर रहा है। जबकि मंगलवार को 3718.10 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज का अनुमान है कि घरेलू वॉल्यूम ग्रोथ में रायल इनफील्ड

इंडस्ट्री को आउटपरफॉर्म करेगी। इसके तहत वित्त वर्ष -26 में रायल इनफील्ड के घरेलू वॉल्यूम में 10 फीसदी सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। जबकि इंडस्ट्री की घरेलू वॉल्यूम 6-7 फीसदी सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच ही खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया है पर फेड के फैसलों को देखते हुए निवेशकों ने खरीददारी में सतर्कता बरती जिससे बाजार की तेजी पर अंकुश भी लगा रहा। आज कारोबार के दोर व्यापक बाजारों में भी बीएसई मिडकैप 0.05 फीसदी बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में भी 0.14 फीसदी की गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 89.64 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 72,101.69 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में भी 21.65 अंक तकरीबन 0.1 फीसदी बढ़त आई। निफ्टी दिन के अंत में 21,839.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में मारुति सुजुकी, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और एसबीआई के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं। वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था। इस दौरान टीसीएस, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में गिरावट आई थी। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई है। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुलते हुए दिखाई दिये। मिडकैप इंडेक्स भी मजबूत खुला है। वहीं

अमेरिकी बाजारों के हाल पर नजर डालें तो लगातार दूसरे दिन अमेरिकी बाजार में तेजी बरक़रार है। एसएंडपी 500 में रिकॉर्ड क्लोजिंग और डाओ एक महीने की ऊंचाई पर है। वहीं नैस्डैक में भी 60 अंकों की तेजी दर्ज की गई। स्मॉलकैप 2000 में भी करीबन आधे फीसदी की तेजी देखी गई है।

ब्रिटेन में खुदरा मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत रही

लंदन ।

ब्रिटेन में खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में अनुमान से कहीं कम 3.4 प्रतिशत रही है, जो सितंबर, 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने बुधवार को फरवरी के आंकड़े जारी कर कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 3.4 प्रतिशत रही है। जनवरी में यह चार प्रतिशत थी। फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर, 2021 के बाद सबसे कम है। बात दें कि खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट के पीछे खाद्य कीमतों में आई नरमी है। फरवरी में मुद्रास्फीति का आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमान से कहीं अधिक है। विश्लेषकों ने 3.6 प्रतिशत मुद्रास्फीति का अनुमान जताया था। हालांकि, यह आंकड़ा अब भी बैंक ऑफ इंग्लैंड के दो प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। रूस-यूक्रेन संघर्ष की वजह से वर्ष 2022 में मुद्रास्फीति के 11 प्रतिशत पर पहुंच जाने के बाद से इस नीचे लाने के लिए कोशिशें की जा रही हैं। खुदरा मुद्रास्फीति में आई इस गिरावट से ब्रिटिश केंद्रीय बैंक की तरफ से नीतिगत ब्याज दर के मोर्चे पर राहत की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

जेबीएम ऑटो को पीएम-ईबस सेवा के लिए 7,500 करोड़ का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । जेबीएम ऑटो को पीएम-ईबस सेवा योजना के तहत 1,390 इलेक्ट्रिक बस के साथ संबद्ध इलेक्ट्रिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7,500 करोड़ रुपये का ऑर्डर हो सिल हुआ है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह ऑर्डर 12 से 18 महीने में पूरा करना होगा। कंपनी की अनुषंगी कंपनी जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को एल1 घोषित किया गया है और 1,390 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद, आपूर्ति, संचालन और रखरखाव और संबद्ध इलेक्ट्रिक और बुनियादी ढांचे का विकास करना होगा। सरकार ने पिछले साल अगस्त में पीएम-ईबस सेवा योजना की घोषणा की थी। इसके अंतर्गत सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत 169 शहरों में 10,000 इलेक्ट्रिक बस की आपूर्ति की जाएगी। इसके तहत उन शहरों को प्राथमिकता मिलेगी जहां संगठित बस सेवा नहीं है।

एआई से संबंधित स्टार्टअप के लिए 2,000 करोड़ की योजना: अधिकारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) से संबंधित स्टार्टअप के वित्तपोषण और समर्थन के लिए 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा रकम आवंटित की है और अगले वित्त वर्ष में यह योजना शुरू होगी। ऐसी जानकारी मिली है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत गठित स्टार्टअप हब के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यहां स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए डिजाइन-संबद्ध प्रोत्साहन जैसी योजनाओं के माध्यम से प्राथमिकता क्षेत्र के लिए एक बड़ा वित्तपोषण कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से भारत एआई मिशन को मिली मंजूरी के तहत देश में एआई पारिस्थितिकी के समर्थन के लिए 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए जा रहे हैं। इसमें से 2,000 करोड़ रुपए से अधिक रकम एआई से जुड़े स्टार्टअप के समर्थन एवं वित्तपोषण के लिए आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि हम इन कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने के लिए व्यवस्था बनाने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसे आगामी वित्त वर्ष के अंदर शुरू करना चाहिए। मंत्रिमंडल ने देश में एआई विकास के लिए 10,372 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ भारत एआई मिशन को हाल ही में मंजूरी दी है। विजय ने कहा कि स्टार्टअप हब वर्तमान में पूरे भारत में 143 इनक्यूबेटर और उत्कृष्टता केंद्रों को समर्थन और वित्तपोषण दे रहा है। इसके साथ कोषों का कोष के जरिये सभी स्टार्टअप को संकल्पना स्तर से विकास स्तर तक वित्तपोषण दिया जा रहा है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 फीसदी बढ़कर 18.90 लाख करोड़ पहुंचा

- पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में प्रत्यक्ष कर संग्रह 15,76,776 करोड़ था

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह (डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) में 19.88 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई है। यह बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। आयकर विभाग के निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि 17 मार्च तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए रहा है। इसमें 9,14,469 करोड़ रुपए कॉरपोरेट टैक्स और व्यक्तिगत आयकर के अलावा 9,72,224 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) भी शामिल है। इसके साथ चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक करीब 3.37 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया जा चुका है। सकल आधार पर रिफंड समायोजन से पहले कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपए था। यह एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 18.74 फीसदी ज्यादा है। सीबीडीटी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के अस्थायी आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध टैक्स संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 15,76,776 करोड़ रुपए था। यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 19.88 फीसदी अधिक है। सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह के संशोधित अनुमान में पूरे वित्त वर्ष के लिए प्राप्तियां 19.45 लाख करोड़ रुपए रहने की उम्मीद जताई है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए इस पैसे का उपयोग कर सकती है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार का राजकोषीय घाटे में कमी आएगी। इससे अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी। सरकार इस पैसे का उपयोग आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कर सकती है।

रिलायंस पावर ने पिछले हफ्ते तीन बैंकों के बकाये का निपटारा किया

- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन का चुकाएगी कर्ज

मुंबई ।

कर्ज के बोझ तले दबे कारोबारी अनिल अंबानी के दिन अब बदलने लगे हैं। उनकी कंपनियां तेजी से अपने कर्ज का निपटारा करने में लगी हुई है। सूत्रों के मुताबिक अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने पिछले हफ्ते तीन बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक के बकाये का निपटारा कर दिया। इसी तरह इसकी पेरेंट कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के 2,100 करोड़ रुपए बकाये का भुगतान करने की योजना बना रही है। एक कमर्शियल बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि रिलायंस पावर का लक्ष्य इस वित्त वर्ष के अंत तक कर्ज मुक्त कंपनी बनना है। इसकी बही-खातों पर एकमात्र कर्ज आईडीबीआई बैंक से लिया गया वर्किंग कैपिटल लोन होगा। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक का रिलायंस पावर पर कुल मिलाकर करीब 400 करोड़ रुपए का बकाया था और उन्होंने अपने प्रिंसिपल लोन का लगभग 30-35 फीसदी वसूल कर लिया है। एक्सचेंजों को जारी नोटिस के मुताबिक रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और जेसी फ्लावर्स एआरसी ने एक स्टैंडस्टिल एग्रीमेंट किया था। शुरू में यह एग्रीमेंट 20 मार्च तक था। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक प्रवक्ता ने कहा कि इसे हाल ही में 31 मार्च तक बढ़ा दिया गया था। एग्रीमेंट के मुताबिक जेसी

फ्लावर्स एआरसी 31 मार्च तक रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगा। इससे कंपनी को फंड की व्यवस्था करने का समय मिलेगा। एक्सिस, आईसीआईसीआई, और डीबीएस बैंक ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। रिलायंस पावर ने भी लोन सेटलमेंट की डिटेल्स पर कोई टिप्पणी नहीं की। बता दें कि रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में तेजी भी बरकरार है। बीएसई पर रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर बीते 5 दिनों में 10.5 फीसदी उछला है, जबकि 6 महीनों में इसने 38 फीसदी फायदा कराया है। वहीं रिलायंस पावर का शेयर बीते 5 दिनों में 8.10 फीसदी और 6 महीनों में 19 फीसदी मजबूत हुआ है।

एयर इंडिया की कमजोरी से बची कई विमानन कंपनियां: विल्सन

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया के मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन का ने कहा कि भारत के आसपास की कई विमानन कंपनियां एयर इंडिया की कमजोरी के कारण बची हुई हैं लेकिन अब विमानन कंपनी के पास उनसे बाजार वापस प्राप्त करने और देश को लोगों के लिए यात्रा का केंद्र बनाने का अवसर है। विल्सन ने यह बात हाल ही में चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म पीकेएफ श्रीधर एंड संतानम की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में कहा कि एयर इंडिया के निजीकरण के समय एक देश के रूप में भारत के पास चौड़ी बॉडी वाले 43 विमान थे जबकि दुबई के पास 250, सिंगापुर के पास 150 और कतर के पास 175 विमान थे। यह एयर इंडिया के लिए छोटा स्तर है और उसके पास आगे बढ़ने का अवसर है। एमिरेट्स, कतर एयरवेज, एतिहाद एयरवेज और सिंगापुर एयरलाइंस जैसी विमानन कंपनियां इस क्षेत्र में अपने केंद्रों के जरिये भारत से अंतरराष्ट्रीय यातायात की भरपूर सेवा प्रदान करती हैं। बी787 और ए350 जैसे चौड़ी बॉडी वाले विमानों में ईंधन के बड़े टैंक होते हैं जो लंबी दूरी की उड़ान सुविधा देते हैं। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद जनवरी 2022 में एयर इंडिया को टाटा को बेच दिया गया था। जुलाई 2022 में एयर इंडिया की कमान संभालने वाले विल्सन ने विमानन कंपनी के लिए एमिरेट्स, कतर एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइंस और ब्रिटिश

एयरवेज जैसी सेवा, उत्पाद गुणवत्ता तथा आतिथ्य का स्तर हासिल करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि भारत से जुड़ी कई विमानन कंपनियां भारतीय बाजार में अपना अस्तित्व बचाए रखने में कामयाब रहीं। विशेष तौर पर उन्हें एयर इंडिया की कमजोरी से भी भारतीय बाजार में डटे रहने में मदद मिली।

टाटा स्टील भी नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर से जुटाएगा 2,700 करोड़

नई दिल्ली ।

टीसीएस के बाद स्टील सेक्टर की ग्लोबल दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने ऐलान किया कि वह नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। एक्सचेंजों को कंपनी ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ने रकम जुटाने की मंजूरी दे दी है। स्टील दिग्गज कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर (एनडीसी) के जरिये रकम जुटाने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स टाटा स्टील लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा गठित एक कमेटी है। टाटा स्टील की तरफ से जारी किए गए डिबेंचर्स की अलॉटमेंट 27 मार्च से शुरू हो जाएगी और इनकी मैच्योरिटी 3 साल की यानी 26 मार्च, 2027 तक होगी। कंपनी ने कहा कि 1 लाख रुपये की फेस वैल्यू पर वह 2,70,000 नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी की तरफ से की गई फाइलिंग के मुताबिक निवेशकों को डिबेंचर पर कूपन हर साल मिलेगा जबकि, मूल धन का भुगतान तीन साल की मैच्योरिटी पूरी होने के बाद एकमुश्त किया जाएगा। बता दें कि टाटा स्टील को इंडिया रेटिंग्स और केयर रेटिंग्स ने एए प्लस रेटिंग दी है।

जियो फाइनेंशियल ने जेएलएसएल में 40 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जियो लीजिंग सर्विसेज लिमिटेड (जेएलएसएल) में 40 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस कंपनी का गठन चल संपत्ति गतिविधियों को पट्टे पर देने के लिए किया गया है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए जेएलएसएल के 10 रुपये के चार करोड़ शेयरों को समान मूल्य पर 40 करोड़ रुपये की नकद राशि से खरीदा। इसमें कहा गया कि उपरोक्त लेनदेन के लिए किसी सरकारी या नियामकीय अनुमोदन की जरूरत नहीं थी। बयान के अनुसार अनुषंगी कंपनी सभी प्रकार की चल संपत्तियों को पट्टे पर देने के व्यवसाय में लगेगी।

आईपीएल 2024 उद्घाटन समारोह में लगेगा बॉलीवुड का तड़का, हजारों फैंस की मौजूदगी में ये सेलेब्स बिखेरेंगे जलवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे मंहगी लीग यानी आईपीएल के 17वें सीजन का आगाज 22 मार्च को होगा। इस सीजन का पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन इससे पहले भव्य ओपनिंग सेरेमनी का आयोज किया जाएगा। जहां बॉलीवुड के कई बड़े सितारे एंटरटेनमेंट का तड़का लगाएंगे। बीसीसीआई शानदार ओपनिंग शो करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, आईपीएल 2024 की ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां पहुंच सकती है। अक्षर कुमार- टाइगर श्रॉफ स्पेशल परफॉर्मेंस कर सकते हैं। इसके अलावा एआर रहमान और सोनू निगम भी अपनी आवाज का जादू बिखेर सकते हैं। हालांकि, बोर्ड की तरफ से कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कब और कहां देख सकेंगे ओपनिंग सेरेमनी?

आईपीएल 2024 का उद्घाटन समारोह 22 मार्च को शाम 6.30 बजे से शुरू होगा। ओपनिंग सेरेमनी की सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएघा। साथ ही जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट पर भी लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

सीएसके/आरसीबी के बीच पहला मैच

आईपीएल 2024 का पहला मुकाबला गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। फैंस इस मैच को लेकर काफी उत्साहित हैं।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। ठाकुर ने कहा कि मेजबानी की दावेदारी के लिए आमंत्रण के साथ ही भारत इसकी मेजबानी के लिए तैयार होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया की पांचवें सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पास युवाशक्ति है। खेलों के लिए भारत से बड़ा बाजार नहीं है।'

उन्होंने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट देखने ब्रिटेन से करीब 4000 क्रिकेटप्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे और उन्होंने स्टेडियम की तारीफ भी की। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद 2028 ओलंपिक लॉस एंजीलिस में और 2032 ओलंपिक ब्रिसबेन में खेले जाएंगे।

हसरंगा संन्यास से वापसी करते ही दो मैचों से निलंबित हुए

ढ़ाका (एजेंसी)। श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा संन्यास से वापसी के बाद भी अगले दो मैच नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण ये है कि उन्हें अंपायर ने खराब व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया है। हसरंगा को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने टीम की गेंदबाजी बेहतर करने के लिए संन्यास से वापसी के बाद तत्काल टीम में शामिल किया था पर उनके निलंबित होने से उसे झटका लगा है। अंपायर ने इस क्रिकेटर को दो मैचों से निलंबित कर दिया है।

श्रीलंका को मेजबान बांग्लादेश के हाथों एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा है। श्रीलंका ने इस हार के बाद टेस्ट टीम के लिए इस स्पिनर को शामिल किया। इस क्रिकेटर ने हाल ही में सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान देने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हसरंगा पर बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अंपायर से बदतमीजी करने के आरोप में आधी मैच फीस काट ली गई और तीन नकारात्मक अंक दिया गया। इस तरह हसरंगा के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो गए। आईसीसी के नियम के मुताबिक अगर किसी खिलाड़ी के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो जाते हैं तो वह स्वयं ही 2 टेस्ट या 4 एकदिवसीय या 4 टी20 मैच के लिए निलंबित हो जाता है।.

हसरंगा के पास सजा के खिलाफ अपील करने का विकल्प खुला है। अगर आईसीसी हसरंगा की अपील ठुकरा देती है तो इसका मतलब यह होगा कि वे टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे। वहीं अगर हसरंगा श्रीलंका-बांग्लादेश सीरीज में नहीं खेलते हैं तो आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से खेल सकते हैं।

तेंदुलकर, गावस्कर, और रिचर्ड्स से भी बेहतर बल्लेबाज हैं विराट : सिद्धू

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें महानतम बल्लेबाज बताया है। यहां तक कि सिद्धू ने विराट को सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और सर विव रिचर्ड्स से भी बेहतर बल्लेबाज करार दिया। उनका कहना है कि विराट ने अपने को तीनों ही प्रारुपों के अनुसार ढ़ाला है। सिद्धू ने साथ ही कहा कि विराट दुनिया के महानतम खिलाड़ी हैं पर इसके बाद भी अगर वह एक बार भी अपनी टीम आरसीबी को आईपीएल में खिताब नहीं दिला पाये हैं। ये उनके लिए एक धब्बे की तरह है। है। आप इसे मिटाना चाहेंगे हालांकि यह उनके लिए किसी भी तरह से नुकसानदेह नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और आप इसे देख सकते हैं।

सिद्धू ने ये भी कहा कि मैंने उन्हें अब तक का सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज पाया है। ऐसे भी युग थे जब मैं अपना ट्रांजिस्टर लगाता था और सुनील गावस्कर को वेस्टइंडीज के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए सुनता था, वह 70 का दशक है। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज को सुनना कि वह कैसे बिना हेलमेट के बल्लेबाजी करते थे। वह उनका युग था। वह लगभग 15-20 वर्षों तक हावी रहे। फिर तेंदुलकर आए और एक और नये युग की शुरूआत हुई। फिर धोनी आए और फिर विराट। यदि आप चारों को देखें , मैं उसे सर्वश्रेष्ठ मानूंगा क्योंकि उसने तीनों प्रारूपों के अनुरुप अपनरे को ढाला है। सिद्धू ने कोहली की फिटनस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह तकनीकी क्षमता में श्रेष्ठ हैं साथ ही फिटनेस में भी। यदि आप चारों क्रिकेटरों को देखें, तो वह सबसे फिट हैं। तेंदुलकर को अपने करियर के बाद के चरणों में समस्याएं थीं। हालांकि धोनी अभी फिट हैं पर विराट सुपर फिट है। यह उसे एक स्तर तक ऊपर उठाता है

आईसीसी रैंकिंग : राशिद खान की शीर्ष 10 में वापसी, सूर्यकुमार अभी भी टॉप पर

दुबई (एजेंसी)। चोट से टीम में वापसी करने के बाद अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने आयरलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में मजबूत प्रदर्शन के बाद टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश कर लिया है। आईसीसी द्वारा अपडेट की गई रैंकिंग में राशिद चार पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गए। वह आयरलैंड सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे जिसे अफगानिस्तान ने 2-1 के अंतर से जीता था। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन मैचों में 5.62 की औसत से 8 विकेट लिए। 2023 विश्व कप के दौरान लगी पीठ की चोट से उबरने के बाद यह किसी भी प्रारूप में उनकी पहली श्रृंखला थी। राशिद के साथी नवीन-उल-हक (दो स्थान ऊपर 55वें स्थान पर) ने आयरलैंड श्रृंखला के दौरान अपने तीन विकेटों के बाद कुछ बढ़त हासिल की जबकि आयरिश तिकड़ी जोश लिटिल (सात स्थान ऊपर 39वें), मार्क अडायर (दो स्थान ऊपर 56वें) और बैरी मैक्कार्थी (15 स्थान ऊपर 77वें स्थान पर) ने भी अपनी टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में सुधार किया जिसका नेतृत्व इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद कर रहे हैं। भारत के कप्तान रोहित शर्मा बुधवार को आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर आ गए हैं। रोहित 746 रेटिंग अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अपने साथियों विराट कोहली (768 अंक) और शुबमन गिल (801 अंक) से पीछे हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 824 अंकों के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुल 847 अंकों के साथ दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के भी बराबर अंक हैं, लेकिन उनका इकॉनमी रेट बेहतर है। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कुल 861 अंकों के साथ टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपना दबदबा कायम रखा।

आरसीबी आईपीएल में नये नाम, जर्सी और लोगों के साथ उतरेगी

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) अब आईपीएल के 2024 सत्र में नये नाम , जर्सी और लोगों के साथ उतरेगी । एक कार्यक्रम में विराट कोहली, फाफ डू प्लेसी और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने आरसीबी के नए नाम, लोगो और जर्सी का अनावरण किया । फाफ डू प्लेसी की कप्तानी में उतरने जा रही आरसीबी की टीम अब नाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के नाम से जानी जाएगी। आरसीबी इस लीग में नाम बदलने वाली तीसरी टीम है । इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स की टीमों ने भी अपने नाम बदले थे। हालांकि, नाम बदलने के बाद भी ये टीम जीत हासिल नहीं कर पायीं थीं । अब देखना है कि आरसीबी के लिए नया नाम कितना फायदेमंद रहता है । आरसीबी की टीम उन 8 टीमों में से एक हैं, जो आईपीएल के पहले सीजन से खेल रही हैं । 16 साल के आईपीएल के अपने सफर में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची थी पर एक बार भी जीत दर्ज नहीं कर पायी । कोहली ने सबसे अधिक 143 मैचों में आरसीबी की कप्तानी की है । उन्होंने दो बार टीम को फाइनल में पहुंचाया पर ट्रॉफी नहीं जीत पाये । वहीं फाफ डू प्लेसी लगातार तीसरे सीजन में आरसीबी की कप्तानी करेंगे । उनकी कप्तानी में आरसीबी ने 27 मैच खेले हैं, जिनमें से उसे 14 में ही जीत मिली है । मंधाना की कप्तानी में आरसीबी ने महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता है ।

मुझे किंग न कहें प्रशंसक : विराट

बेंगलुरु । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने प्रशंसकों से कहा है कि उन्हें किंग न कहें । विराट ने स्टेडियम में एकत्रित प्रशंसकों से कहा कि उन्हें इससे शर्मिंदगी होती है । इसके बाद प्रशंसकों ने कोहली-कोहली के नारे लगाने शुरू कर दिए । इस दौरान विराट ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर वापसी से उन्हें अच्छा लग रहा है। उत्साहित कोहली ने प्रशंसकों से मजाकिया लहजे में कहा कि मुझे बात करने दीजिए । दोस्तों, हमें आज रात चेन्नई जाना है, हमारे पास एक चार्टर्ड फ्लाइट है इसलिए हमारे पास समय नहीं है । कोहली ने कहा कि सबसे पहले, आप मुझे किंग बोलना बंद करेंद्य । मुझे विराट कहकर ही बुलाएं । मुझे किंग नाम से मत बुलाएं, मैं फाफ डु प्लेसिस से भी कह रहा था कि जब आप मुझे इस शब्द से बुलाते हैं तो मुझे हर बार अजीब सा लगता है। इसलिए मुझे केवल विराट कहकर बुलाएं, अब से उस शब्द का इस्तेमाल न करें, यह मेरे लिए बहुत शर्मनाक है । विराट ने इससे पहले भी कई बार गया है कि उन्हें किंग न कहें। पिछले साल आरसीबी के शो में उन्होंने कहा था कि भले ही यह सुंदर शब्द है । मैं जानता हूं कि प्रशंसक ऐसा क्यों कह रहे हैं पर मुझे यह पसंद नहीं है । मुझे अपने ही नाम से बुलाया जाना पसंद है, विराट । उन्होंने कहा कि लोग प्यार से मुझे किंग कहते हैं परमैं निजी तौर पर इसे पसंद नहीं करता ।

भारतीय हॉकी टीमें एफआईएच हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पहली बार जारी हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारतीय पुरूष टीम ओमान और मलेशिया के साथ दूसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के 1400 अंक है। भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप जीती और मस्कट में जनवरी में हुए विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहा था।

वहीं ओमान ने कांस्य पदक जीता था। नीदरलैंड 1750 अंक के साथ शीर्ष पर है जिसने पहला हॉकी5 विश्व कप और यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी। पोलैंड और मिस्र संयुक्त पांचवें स्थान पर है। त्रिनिदाद और टोबैगो और कीनिया संयुक्त सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान नौवे स्थान पर है।

महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जिसने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही यूरोपीय चैम्पियनशिप भी अपने नाम की थी। रजत पदक विजेता भारत दूसरे स्थान पर है जबकि पोलैंड तीसरे स्थान पर है। उरूग्वे और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त चौथे स्थान पर है।

पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग नहीं ले सकेंगे रूस और बेलारूस के खिलाड़ी

जिनेवा । रूस और बेलारूस के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक परेड में भाग नहीं ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आएंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है । आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी के किनारे समारोह देख सकेंगे । उन्हें तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है । इससे पहले अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति ने 28 अगस्त को पेरिस पैरालम्पिक के उद्घाटन समारोह में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध की घोषणा की थी । यूक्रेन में जारी जंग के कारण दोनों देशों को ओलंपिक में टीम स्पर्धाओं में भाग नहीं लेने दिया जाएगा । वहीं व्यक्तिगत वर्ग में खिलाड़ी तटस्थ तौर पर खेलेंगे बशर्ते उन्होंने यूक्रेन में जारी युद्ध का समर्थन नहीं किया हो या सेना या सुरक्षाबलों से जुड़े नहीं हों । रूसी पासपोर्ट धारक 36 और बेलारूस के 22 खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है ।

राहुल आईपीएल में अच्छा खेलता है तो टी20 विश्व कप टीम में जगह पक्की: जस्टिन लैंगर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर केएल राहुल टीम को पहला आईपीएल खिताब दिला पाते हैं तो टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में उनकी जगह तय होनी चाहिए। जांघ की मांसपेशियों की चोट से उबरकर वापसी कर रहे राहुल शायद आईपीएल में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। उनका भारत की टी20 टीम में चयन तय नहीं है लिहाजा उन्हें आईपीएल में बल्लेबाजी में और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

यह पूछने पर कि कप्तानी की निजी आकांक्षाओं और टीम के हितों में संतुलन कैसे बनाएंगे, लैंगर ने कहा कि यह मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को ईनाम मिलता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है।'

राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी चयन की दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, 'केएल या बिश्नोई के लिए साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिए अच्छा खेलने पर फोकस करें, टी20 विश्व कप टीम में जगह पाने के मौके बढ़ेंगे।' लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे टक्कर देखने को मिल सकती है, लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान के प्रशंसक हैं।

उन्होंने कहा, 'कोई टक्कर नहीं होगी। उनके टीम छोड़ने से मैं दुखी हूं लेकिन वह केकेआर का असली नायक है। हम दोनों अच्छे दोस्त रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग भी मेरे दोस्त हैं। सीएसके के स्टीफन फ्लेमिंग और माइक हस्सी भी मेरे दोस्त हैं।'

धोनी के लिए क्रिकेट महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ नहीं : पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान

मुम्बई । वर्षों की महनत के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी खुद की एक विरासत बनाई है । 2011 में भारत को वनडे विश्व कप जिताने से लेकर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ पांच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीतने तक, रांची में जन्मे क्रिकेटर ने खेल को अपना सब कुछ दिया है । हालांकि भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान का मानना है कि धोनी जैसे स्थापित और प्रसिद्ध खिलाड़ी के लिए क्रिकेट महत्वपूर्ण है, लेकिन यह उनके लिए सब कुछ नहीं है । जहीर ने कहा, 'जब आप खेल रहे हों, तो (खेल से) स्विच ऑफ करना बहुत महत्वपूर्ण है । क्रिकेट ही सब कुछ नहीं है । हर क्रिकेटर को अंततः इसका सामना करना पड़ता है । जब आप खेल से दूर हो जाते हैं तो आपके पास बहुत सारे विकल्प नहीं होते हैं । हमने कई एथलीटों को रिटायर होने के बाद संघर्ष करते देखा है क्योंकि उन्होंने खेल को अपना सब कुछ दे दिया, और जब उन्होंने इसे छोड़ा, तो उन्हें नहीं पता था कि क्या करना है ।' जहीर ने धोनी की बाइक्स में रुचि पर भी गौर किया । उन्होंने कहा, 'इस अर्थ में एमएस धोनी को बहुत पहले ही समझ आ गया था कि उन्हें क्रिकेट का शौक है और यह उनके जीवन का अभिन्न अंग है । लेकिन यह सब कुछ नहीं हो सका । वह खेल से बाहर की चीजें करता रहता है । मसलन, बाइक्स में उनकी दिलचस्पी । वह हमेशा उन पर शोध करते रहते हैं ।'

नीरज चोपड़ा ने जताई हैरानी, बोले विश्वास करना मुश्किल हो रहा है कि पाकिस्तान के नदीम को नया भला नहीं मिल पा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने सोमवार को उस समय आश्चर्य व्यक्त किया जब उन्हें पता चला कि उनके मैदान पर प्रतिद्वंद्वी और पाकिस्तान के दोस्त अरशद नदीम एक नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। नदीम ने कुछ हफ्ते पहले कहा था-'यह अब उस स्तर पर पहुंच गया है जहां भाला क्षतिग्रस्त हो गया है और मैंने राष्ट्रीय महासंघ और अपने कोच से पेरिस ओलंपिक से पहले इसके बारे में कुछ करने के लिए कहा है। जब मैंने 2015 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया तो मुझे यह भाला मिला... ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाले एक अंतरराष्ट्रीय एथलीट के लिए, आपको उचित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं की आवश्यकता होती है।'

नीरज चोपड़ा ने जताई हैरानी

मैदान के बाहर नदीम के साथ अच्छा रिश्ता साझा करने वाले चोपड़ा ने कहा कि यह विश्वास करना वाकई मुश्किल है कि पाकिस्तानी एथलीट को नए भाले के लिए इतना संघर्ष करना पड़ रहा है। नीरज चोपड़ा ने सोमवार को स्ढ्ढ मीडिया से कहा- 'यह विश्वास करना कठिन है कि वह एक नया भाला पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। उनकी गेम को देखते हुए, यह बिल्कुल भी बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए।'

चोपड़ा ने आगे कहा- 'ऐसा नहीं हो सकता कि नदीम के पास भाला खरीदने का साधन न हो। वह एक चैंपियन हैं और कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट कर रहे होंगे। मुझे लगता है उसने थोड़ा पैसा भी कमाया है। लेकिन यह कहने के बाद, उनकी सरकार अरशद नदीम की ज़रूरत को देख सकती है और उनका समर्थन कर सकती है जैसे मेरी सरकार ऐसा कर रही है।'

वह एक शीर्ष जेवलिन थ्रोअर है

'इसके अलावा, नीरज ने कहा- अरशद नदीम एक शीर्ष भाला फेंकने वाला खिलाड़ी है और मेरा मानना है कि भाला निर्माता उसे प्रायोजित करने और वह जो चाहते हैं उसे प्रदान करने में बहुत खुश होंगे। यह मेरी तरफ से एक सलाह है।' इतना ही नहीं, नदीम 90.18 मीटर थ्रो के साथ, 27 वर्षीय पाकिस्तानी ने खिताब का दावा करने के लिए बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भाला फेंक का एक नया रिकॉर्ड बनाया था। इससे राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक के लिए पाकिस्तान का 60 साल का इंतजार खत्म हो गया। नदीम ने दिसंबर 2022 में यूके में कोहनी का ऑपरेशन कराया था। पिछले साल, उन्होंने फिर से घुटने की सर्जरी करवाई और हांग्जो एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं लिया, जहां चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था।

मुम्बई इंडियंस को एक और झटका सूर्यकुमार भी पहले मैच से बाहर हुए

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2024 शुरु होने से पहले ही एक और झटका लगा है । आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब शुरुआती मैच में नहीं उतरेंगे । सूर्यकुमार को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) से फिटनेस जांच में खेलने की मंजूरी नहीं मिली है । इससे टीम के नये कप्तान हार्दिक पंड्या की मुश्किलें बढ़ गयी हैं । एक रिपोर्ट के अनुसार सूर्याकुमार की एक और फिटनेस जांच अब 21 मार्च को होगी । मुंबई को अपना पहला मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ 24 मार्च को खेलना है । इसमें अब ऑस्ट्रेलिया के जेसन बेहरनडॉर्फ के अलावा श्रीलंकाई क्रिकेटर दिलशान मधुशंका भी नहीं खेलेंगे ।